हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 15 नवंबर 2026



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

धरती आबा भगवान
बिरसा मुंडा जी की
जयंती पर शत् शत् नमन





जनजातीय गौरव दिवस





मुख्य अतिथि
श्री नितिन नवीन
माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

जनजातीय गौरव दिवस

15 नवंबर 2026 | समय - प्रात: 9 बजे | दशहरा मैदान, धरमजयगढ़ जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)

1,544 जनजातीय ग्रामों में 11 विकास गतिविधियों से **56,569** परिवार लाभान्वित

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

6,691 जनजातीय ग्रामों में 25 विकास गतिविधियों से **11 लाख** से अधिक परिवार लाभान्वित

₹60 हजार करोड़
की राशि से जनजातीय क्षेत्रों का उत्थान एवं विकास

महिला उत्थान

महतारी वंदन योजना
19.89 लाख से अधिक जनजातीय महिलाओं के खाते में **₹629.64** करोड़ से अधिक राशि अंतरित

पक्की छत का निर्माण

9.86 लाख जनजातीय परिवारों को मिले पक्के आवास

वन अधिकार से सशक्तीकरण

4.88 लाख से अधिक व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र,
46,868 सामुदायिक वन अधिकार पत्र और
4,412 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र वितरित

जनजातीय उत्थान
विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण



श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री किरण सिंह देव
माननीय प्रदेश अध्यक्ष
भाजपा छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

#Rajesh



छत्तीसगढ़ शासन



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जनजातीय गौरव दिवस

धरती आबा
भगवान बिरसा मुंडा जी
की जयंती पर शत् शत् नमन

मुख्य अतिथि

श्री नितिन नवीन

माननीय राज्यसभा सांसद

15 नवंबर 2026

समय - प्रातः 9 बजे

दशहरा मैदान, धरमजयगढ़
जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

समावेशी विकास एवं उत्थान

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से **6,691** गांवों के **11 लाख** से अधिक परिवार और पीएम-जनमन से **1,544** गांवों के **56,569** परिवार लाभान्वित

संस्कृति और विरासत का संरक्षण

₹50 करोड़ की लागत से शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निर्माण



महिला सशक्तीकरण

19.89 लाख से अधिक जनजातीय महिलाओं को **₹629.64** करोड़ अंतरित मिल रहा **महतारी वंदन योजना** का लाभ

सुरक्षित भविष्य की आधारशिला

75 एकलव्य और **14 प्रयास** आवासीय विद्यालय संचालित, **34 हजार** से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन

9.86 लाख जनजातीय परिवारों को **पक्के आवास**

वन अधिकारों से सशक्तीकरण

4.88 लाख से अधिक व्यक्तिगत, **46,868** सामुदायिक और **4,412** सामुदायिक वन संसाधन **अधिकार पत्र वितरित**

समृद्धि । सम्मान । सर्वांगीण विकास

रायपुर
रविवार 15 नवंबर 2026
कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी
वर्ष : 25, अंक : 115
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5 .00**

मौसम
अधि. 30.9
न्यून. 18.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

सरकारी स्कूलों में होगी एआई की पढ़ाई, शिक्षकों को मिलेगी आईआईटी से ट्रेनिंग

रुचि की अभिव्यक्ति के तहत शिक्षा विभाग ने शुरू की एजेंसी की तलाश, आईआईटी से प्रशिक्षण दिलाने की तैयारी, मंत्री गजेंद्र यादव ने हरिभूमि को दी जानकारी

अतुल अग्रवाल ⏭ दुर्ग

अलग खबर

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में अब विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई कराई जाएगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, स्कूलों में एआई की कक्षाएं शुरू करने से पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों और एजेंसियों की मदद लेने की योजना है। शिक्षा विभाग ने रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के तहत एजेंसियों को आमंत्रित कर प्रक्रिया शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने हरिभूमि को बताया कि एजेंसियों से सुझाव लेकर एआई शिक्षा का प्रारूप तैयार किया जाएगा। प्रस्तावित योजना के तहत कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों को उनकी उम्र और कक्षा के अनुसार एआई की जानकारी दी जाएगी। कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को एआई ⏭शेष पेज 5 पर

रुचि की अभिव्यक्ति के तहत एजेंसियों को किया आमंत्रित

स्कूलों में बच्चों को एआई की शिक्षा देने के लिए प्रयास शुरू किया गया है। इसके लिए सबसे पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना है। रुचि की अभिव्यक्ति के अंतर्गत एजेंसियों को आमंत्रित किया गया है। एजेंसियों से सुझाव लेकर यह समझने का प्रयास करेंगे कि इसे किस तरह शुरू किया जा सकता है। हमारा प्रयास है कि सरकारी स्कूलों के बच्चे भी एआई को जानें और समझें।
-गजेंद्र यादव, शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन



आईआईटी से ट्रेनिंग दिलाने की तैयारी

स्कूलों में एआई की पढ़ाई शुरू करने के लिए सबसे पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए आईआईटी भिलाई के अलावा आईआईटी दिल्ली, खड़गपुर और मुंबई जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रशिक्षण दिलाने पर विचार किया जा रहा है। दिल्ली, हैदराबाद, पुणे और बेंगलुरु में काम करने वाली एआई एजेंसियों ने भी इस संबंध में शिक्षा विभाग से संपर्क किया है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को भविष्य की महत्वपूर्ण तकनीक से परिचित कराना है। एआई के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर जोर रहेगा, ताकि वे बदलती तकनीकी दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

जनसहयोग से हिर्री मिडिल स्कूल के 232 बच्चे सीखेंगे एआई

दुर्ग जिले के हिर्री स्थित शासकीय मिडिल स्कूल में जनसहयोग से एआई की पढ़ाई और प्रशिक्षण की पहल शुरू की गई है। संभवतः जिले का यह पहला शासकीय मिडिल स्कूल है, जहां विद्यार्थियों को एआई से परिचित कराने के लिए अलग से लैब तैयार की गई है। पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर बनाई गई इस लैब में इंटरनेट और जरूरी सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। खास बात यह है कि लैब के संचालन पर हर महीने होने वाला खर्च भी शिक्षक और ग्रामीण मिलकर उठाएंगे। स्कूल के शिक्षक बच्चों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी दे रहे हैं। इसके अलावा निजी संस्थानों में कंप्यूटर की पढ़ाई कर रहे स्वयंसेवी युवा भी विद्यार्थियों को कंप्यूटर और एआई का प्रशिक्षण देंगे। स्कूल में 10 कंप्यूटर लगाए गए हैं। शाला विकास समिति के अध्यक्ष काशीराम साहू ने बताया कि बच्चों को नियमित रूप से कंप्यूटर और एआई से जुड़ी जानकारी दी जा रही है।

पहले कुछ स्कूलों में होगा ट्रायल

योजना को पहले कुछ चुनिंदा स्कूलों में प्रायोगिक तौर पर शुरू किया जाएगा। इसके परिणामों और अनुभवों के आधार पर इसे पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। विभाग की कोशिश है कि अगले छह महीने से एक साल के भीतर इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। वर्तमान में प्रदेश में करीब 20 हजार प्राथमिक और मिडिल स्कूल, 9 हजार हाईस्कूल और 3,197 हायर सेकंडरी स्कूल हैं। इन सभी स्तरों पर विद्यार्थियों को एआई की शिक्षा से जोड़ने की योजना है। हालांकि, इसके लिए स्कूलों में उपलब्ध कंप्यूटर, इंटरनेट और अन्य तकनीकी संसाधनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। निजी स्कूलों में पहले से ही एआई से जुड़ी पढ़ाई शुरू हो चुकी हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹102339/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹124990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹136438/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

कार्रवाई के दौरान कई जगह लाइव सट्टा, जुआ पैनल चलाते मिले

महादेव सट्टा एप के ऑपरेटरों पर कसा शिकंजा छह राज्यों के 33 ठिकानों पर सीबीआई की रेड

महादेव सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर का ओमान से भारत प्रत्यर्पण होने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने पैनल ऑपरेटरों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पिछले दिनों सीबीआई ने आधा दर्जन राज्य में 33 ठिकानों पर दबिश देकर सट्टा पैनल चलाने वाले ऑपरेटरों के नेटवर्क का पता लगाया। छापेमारी के दौरान पैनल ऑपरेटर कई जगह लाइव सट्टा और जुए के पैनल चलाते मिले।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

केंद्रीय जांच एजेंसी ने इन्हें मौके पर ही बंद कराया। कार्रवाई के दौरान मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस और कई दस्तावेज जब्त किए गए। छापे की कार्रवाई के दौरान पता चला कि दूसरे लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर सट्टे की रकम जमा की जाती थी। इसके बाद हवाला के जरिए पैसा विदेश भेजा जाता था। सीबीआई के मुताबिक यह कार्रवाई महादेव सट्टा ⏭शेष पेज 5 पर


पीएमएलए कोर्ट से रिमांड मंजूर होने के बाद सौरभ चंद्राकर को ईडी ने अपने कब्जे में लिया
सीबीआई के बाद महादेव सट्टे के खिलाड़ी सौरभ पर अब ईडी का फंदा, होगी पूछताछ
दुर्ग में 236 करोड़ की हेराफेरी उजागर

इन स्थानों पर छापे की कार्रवाई

केंद्रीय जांच एजेंसी ने जिन शहरों में रेड कार्रवाई कार्रवाई की, उनमें छत्तीसगढ़ के रायपुर और दुर्ग के साथ पंजाब, अमृतसर, दिल्ली, राजस्थान, नागौर, धौलपुर, मध्यप्रदेश, भोपाल, इंदौर, गुजरात, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत तथा महाराष्ट्र के मुंबई और नागपुर शामिल हैं।

विदेश में बैठे लोग संचालित कर रहे सट्टा संचालित

जांच में पता चला है कि ऑनलाइन महादेव ऐप का संचालन विदेश में बैठे लोगों के जरिए किया जाता था। इसका हेड ऑफिस विदेश में है और भारत में बड़े नेटवर्क के जरिए पैनल ऑपरेट किए जाते हैं। पैनल ऑपरेटर ग्राहकों की आईडी बनाते थे और उनसे सट्टे की रकम वसूलते थे। इस रकम को ऐसे बैंक खातों में जमा किया जाता था, जो दूसरे लोगों के नाम पर खुलवाए गए थे या किराए पर लिए गए थे। इसके बाद मुनाफे की रकम हवाला नेटवर्क के जरिए विदेश भेजी जाती थी।

पुलिस ने ड्रग केस में जेल में डाला

रायपुर का युवक भी रूस में फंसा नौकरी के इंटरव्यू के लिए गया था

युवक पर यूक्रेन के खिलाफ रशियन फौज की ओर से युद्ध में शामिल होने को दबाव बनाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र के श्रीनगर निवासी टिकेश्वर साहू को रसियन पुलिस ने झूठे केस में जेल में बंद कर दिया है। युवक दो माह पूर्व आठ सितंबर को नौकरी के लिए इंटरव्यू देने के लिए रूस गया था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि टिकेश्वर को वहां डिलीवरी ब्वाय का जॉब दिया जा रहा था, इसके लिए उसने इनकार कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों ने उन्हें रूस बुलाया था, उन लोगों ने उसे गन पाइंट पर काम करने दबाव बनाया। इनकार करने पर उसे झूठे ड्रग केस में फंसाकर जेल भेज दिया गया। ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर



स्थानीय पहचान से वकील हायर

पीड़ित के परिजनों ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि रूस में उनके पहचान के लोग कार्यरत हैं। टिकेश्वर के जेल में होने की जानकारी मिलने पर परिजनों ने रूस में अपने परिचितों की मदद से वकील हायर किया। परिजनों के अनुसार टिकेश्वर को थायराइड की शिकायत है। वकील के माध्यम से परिजनों को जानकारी मिली कि उसका 22 अक्टूबर को बीपी बढ़ गया। वकील के माध्यम से परिजनों को इस बात की जानकारी मिली। इसके बाद परिजनों ने वकील से संपर्क कर टिकेश्वर को जेल से अस्पताल वार्ड में शिफ्ट कराया। वर्तमान में वह अस्पताल में भर्ती है।



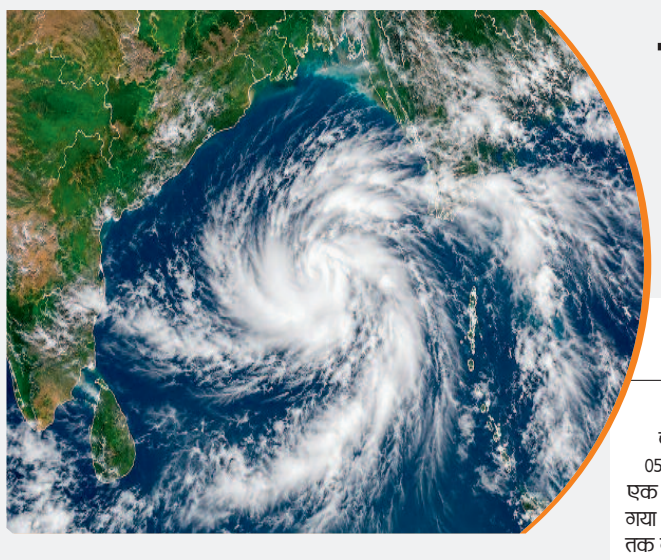

उत्तर भारत में बदलेगा मौसम का मिजाज, बूंदाबादी के आसार

दिल्ली-यूपी समेत कई राज्यों में देखने मिलेगा बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का दौर

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो चुका है सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, 15 से 20 नवंबर के बीच उत्तर-पश्चिम भारत के पहाड़ी और मैदानी इलाकों से लेकर पूर्वी भारत तक बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का दौर देखने को मिलेगा।

16 से 17 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 14 से 17 नवंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है। 15 नवंबर को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। इसका असर मैदानी राज्यों पर भी दिखेगा। दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में बारिश हो सकती है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दाब क्षेत्र 14 नवंबर को सुबह 05:30 बजे (आईएसटी) तक उसी क्षेत्र में एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र में तब्दील हो गया है और सुबह 08:30 बजे (आईएसटी) तक वहीं बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार, इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान उसी क्षेत्र में एक अवदाब में बदलने की प्रबल संभावना है। इसके बाद यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए लगभग 16 नवंबर की शाम तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में और अधिक तीव्र हो सकता है। इसरो के इनसैट-3डीएस सैटेलाइट ने अंडमान सागर के ऊपर बादलों की तेज गतिविधियों को कैप्चर किया है। यहां कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जिससे नए चक्रवात बनने की आशंका है। चक्रवात बना तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है।

बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी

15 नवंबर को पूर्वी राजस्थान में भी हल्की बरसात के आसार हैं। बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी जारी की गई है। 15 नवंबर को उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में 30 से 40 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान राजस्थान के दोनों हिस्सों में आंधी और बिजली गिरने की भी आशंका बनी रहेगी।

पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी

पूर्वी भारत में मौसम का असर ज्यादा व्यापक रहेगा। 15 से 20 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में और 19-20 नवंबर को ओडिशा के बड़े हिस्से में व्यापक बारिश होने के आसार हैं। 15 से 16 नवंबर तक अंडमान-निकोबार में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा 15-16 नवंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, 18-20 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, 19-20 नवंबर को झारखंड और 18 नवंबर को ओडिशा में छिटपुट बारिश की संभावना है।



जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कई जगह बर्फबारी

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कई जगह बर्फबारी के बाद बड़ी संख्या में टूरिस्ट मनाली पहुंच रहे हैं। इसके चलते चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर ट्रैफिक जाम लग गया। उत्तराखंड के 7 जिलों में आज बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम में बदलाव के बीच दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से राहत नहीं मिली है। यहां हवा की गुणवत्ता लगातार गंभीर कैटेगरी में बनी हुई है। शनिवार सुबह दिल्ली के आईटीओ इलाके में एक्यूआई 414 दर्ज किया गया। वहीं, गुरुग्राम में यह 324 रहा।

खबर संक्षेप

रामलीला मैदान में प्रदर्शन के बने नए नियम

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान में प्रदर्शन और रैली के लिए नए नियम तय किए हैं। इसमें 50 हजार लोगों से ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकेंगे। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सात घंटे ही हो सकेंगे। आयोजकों को कम से कम 10 दिन पहले आवेदन देना होगा, जिसमें उन्हें नगर निगम दिल्ली से परमिशन भी लेनी होगी। आयोजकों को ट्रैफिक व्यवस्था और पार्किंग के लिए पुलिस के साथ तालमेल करना होगा। सड़क, फुटपाथ या इमरजेंसी वाले रास्ते बंद करने की अनुमति नहीं होगी।

असमः 60 करोड़ की ड्रग्स बरामद



गुवाहटी। असम में नशे के कारोबार के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है। असम राइफल्स और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस(डीआरआई) सिलचर की संयुक्त टीम ने कछार जिले के बोरखोला इलाके में कार्रवाई करते हुए एक वाहन को रोका। इस वाहन से डब्लूवाई टैबलेट की बड़ी खेप बरामद की गई है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 60 करोड़ रुपये है।

तमिलनाडु के तनिष्क शोरूम में करोड़ों की लूट

चेन्नई। तमिलनाडु के मदुरई में तनिष्क शोरूम में हुई करोड़ों रुपये की लूट के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, मदुरई के बायपास रोड पर स्थित तनिष्क शोरूम में यह चोरी हुई थी। गुरुवार सुबह जब कर्मचारी शोरूम पहुंचे तो उन्हें डिस्प्ले में रखी ज्वेलरी गायब मिली. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के मुताबिक, शोरूम से 11.465 किलो सोना चोरी हुआ था। इसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपये बताई गई। इसके अलावा करीब 15 करोड़ रुपये के हीरे के गहने भी चोरी हुए थे।

शेख हसीना की वापसी के लिए भारत ने बांग्लादेश के सामने रखीं दो शर्तें

'बांग्लादेशी सेना सुरक्षित लेकर जाए और फांसी के खिलाफ अपील का मौका मिले'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली/ढाका

बांग्लादेश सरकार ने अपनी पूर्व प्रधानमंत्री की फिर की है प्रत्यर्पण की मांग

शेख हसीना की वापसी के लिए भारत ने बांग्लादेश के सामने दो शर्तें रखी हैं। बीबीसी बांग्ला ने बताया है कि भारत चाहता है कि ढाका हसीना को वापस लाने के लिए सैन्य विमान भेजे। साथ ही भारत की इच्छा है कि हसीना को अपनी मौत की सजा के खिलाफ अपील और नए सिरे से मुकदमे लड़ने का मौका मिले, जिसका वादा बांग्लादेश की मौजूदा सरकार करे। भारत ने शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी के लिए कम से दो शर्तें स्पष्ट तौर पर रखी हैं।

रिपोर्ट कहती है कि अब तक भारत ने हसीना के मुद्दे पर किसी रियायत का इशारा नहीं दिया था लेकिन अब वह उनकी वापसी के लिए रास्ता बनाने की कोशिश में हैं। दरअसल हसीना का लगातार भारत में रहना और ढाका की ओर से इसे बड़ा मुद्दा बनाना दिल्ली को असहज कर रहा है। इससे बांग्लादेश-भारत के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव आया है। शेख हसीना ने बीते कुछ महीनों में खुद ये कहा है कि वह बांग्लादेश लौटने की तैयारी कर रही हैं। कुछ समय पहले उन्होंने बताया था कि वह दिसंबर में ढाका वापस जाने की योजना बना रही हैं। उन्होंने अभी तक कोई निश्चित तारीख नहीं बताई है लेकिन ये कहा है कि वह इसी साल ढाका लौट जाएंगी और वहां जो भी स्थिति बनेगी, उसका सामने करेंगी।

बांग्लादेश सरकार ने बीते दो सालों में बार-बार भारत से अपनी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस सौंपने की मांग की है। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम प्रशासन और अब तारिक रहमान सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण को बड़ा मुद्दा बनाया है। शेख हसीना ने कहा है कि वह इसी साल ढाका वापस जाएंगी लेकिन दिल्ली ने इस मुद्दे पर बहुत सीमित बयानबाजी की है। भारत अब कथित तौर पर शेख हसीना की वापसी में मदद के लिए तैयार है लेकिन इसके लिए वह तारिक रहमान सरकार से कुछ भरोसा चाहता है।

हसीना ने पासपोर्ट के लिए किया आवेदन

हसीना ने 9 नवंबर को नए पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेजों के लिए आवेदन किया था। भारत आने के बाद बांग्लादेश सरकार से उनका यह पहला आधिकारिक संपर्क था। हालांकि, ढाका ने कहा था कि अगर वे सच में अपने देश लौटना चाहती हैं, तो उन्हें भारत सरकार से संपर्क करना चाहिए। दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत उनकी वापसी की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।



यह है दो शर्तें

पहली शर्तः भारत सरकार चाहती है कि बांग्लादेश सेना हसीना को वापस लाने की जिम्मेदारी ले और उन्हें सैन्य विमान से वापस लाया जाए। यह व्यवस्था वैसी ही होगी, जैसी 5 अगस्त 2024 को उनको ढाका से दिल्ली आने के समय थी। वह बांग्लादेश के सैन्य विमान से भारत आई थीं।

दूसरी शर्तः दिल्ली चाहती है कि बांग्लादेश सरकार हसीना को अपनी मौत की सजा के खिलाफ अपील करने का मौका दे। साथ ही जुलाई 2024 के प्रदर्शनों में हत्याओं से जुड़े मामलों पर नए सिरे से मुकदमा चलाया जाए, जिसमें शेख हसीना कोर्ट में अपना पक्ष रख सकें।

हसीना के लिए क्या है खतरा

शेख हसीना ढाका लौटने की बात कह रही हैं और दिल्ली भी चाहती है कि उनके मुद्दे का हल निकले लेकिन ये मामला इतना सीधा नहीं है। शेख हसीना की गैरमौजूदगी में उनको ढाका की एक अदालत मौत की सजा सुना चुकी है। ये सजा जुलाई, 2024 के विद्रोह में हुई हत्या के मामले में हुई है। हसीना पर फिलहाल बांग्लादेश में 50 से ज्यादा मुकदमें चल रहे हैं। इनमें कई मुकदमें हत्या और दूसरे गंभीर आरोपों के हैं। यानी उन पर कुछ और मामलों में भी मौत जैसी सजा का खतरा है। यानी ढाका लौटने पर उनको बाकी उम्र जेल में बिताने या फांसी जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

80 साल बाद एक मंच पर होंगी तीन महाशक्तियां!

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिका, चीन और रूस के राष्ट्राध्यक्ष बना रहे योजना



अमेरिका, चीन और रूस के राष्ट्राध्यक्ष चीन के तकनीकी केंद्र शेनझेन में अगले सप्ताह होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। 1945 के बाद यह पहली बार है, जब दुनिया की तीन शीर्ष महाशक्तियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साथ एक ही बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इस मुलाकात से किसी बड़ी सफलता की उम्मीद कम है और इसका महत्व ठोस नतीजों से ज्यादा प्रतीकात्मक होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की इस बैठक की शुक्रवार को पुष्टि की। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब तीनों देशों के बीच संबंध कई चुनौतियों से गुजर रहे हैं। ट्रंप ने पिछले साल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम के बाद शी के साथ संबंधों को गर्मजोशी से आगे बढ़ाया है। वहीं, उन्होंने रूस के साथ भी रिश्ते सुधारने की कोशिश की है, जबकि पुतिन यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखे हुए हैं और ईरान के साथ रूस का सैन्य एवं कूटनीतिक सहयोग बढ़ा है। ट्रंप का कहना है कि इस बैठक में ईरान के साथ अमेरिका के युद्ध और तीनों देशों के परमाणु हथियारों के जखीरे को लेकर समझौते पर चर्चा हो सकती है।

1945 का याल्टा सम्मेलन

इस बैठक की तुलना 1945 के 'याल्टा सम्मेलन' से भी की जा रही है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ के नेताओं ने युद्ध के बाद जर्मनी के विभाजन की योजना बनाई थी। हालांकि, रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस तुलना को खारिज करते हुए कहा कि शेनझेन में होने वाले किसी भी संभावित समझौते को दूसरे देशों पर थोपा नहीं जा सकता। उन्होंने आपसी सम्मान और साझा हितों पर आधारित वैश्विक व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया।

माइक्रोसॉफ्ट की सभी सेवाएं बहाल कंपनी ने रुकावट के लिए माफी मांगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

'आउटलुक' ईमेल समेत माइक्रोसॉफ्ट की विभिन्न सेवाओं में वैश्विक स्तर पर आई व्यापक बाधा के बाद कंपनी की सभी सेवाएं शनिवार को बहाल हो गईं और उसने सेवाएं बाधित होने से हुई परेशानी के लिए गहरा खेद जताया।

कंपनी कहा कि नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के दौरान आई तकनीकी समस्या के कारण सेवाएं प्रभावित हुई थीं। माइक्रोसॉफ्ट के सेवा स्थिति पेज पर शनिवार सुबह बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट 365 के कारोबारी और बड़ी कंपनियों के ग्राहकों के साथ-साथ आम उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध सभी सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस घटना के कारण हमारे ग्राहकों और साझेदारों को हुई परेशानी के लिए हमें बेहद खेद है। हम जानते हैं कि वे हमारी सेवाओं पर कितना भरोसा करते हैं और हम इस जिम्मेदारी को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

दुनियाभर में प्रभावित रहीं सेवाएं



सामान्य रूप से काम कर रही सेवाएं : माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि उसकी सेवाएं लगातार सामान्य रूप से काम कर रही हैं और समस्या की गंभीरता को देखते हुए कंपनी लंबे समय तक इन पर नजर रखेगी। कंपनी ने कहा कि वह सेवाएं बाधित रहने के दौरान जमा हुए लंबित ईमेल पर भी नजर रख रही है और सभी ईमेल का निपटारा सुनिश्चित करने के बाद ही कंपनी समस्या को पूरी तरह सुलझा हुआ मानेगी।

बागेश्वर धाम में तनाव के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भगवान कृष्ण के बारे में की गई विवादित टिप्पणी को लेकर उपजे विवाद के बीच शनिवार को धाम के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया। शास्त्री के समर्थकों का शुक्रवार को अखिल भारतीय यादव महासभा के सदस्यों के साथ आमना-सामना हो गया था। यादव महासभा के सदस्य शास्त्री की टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन करने पहुंचे थे।

इस दौरान शास्त्री के समर्थकों ने एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया था। बागेश्वर धाम जिला मुख्यालय से लगभग 24 किलोमीटर दूर स्थित है। बागेश्वर धाम के आसपास पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसे लेकर कोई अन्य अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। शनिवार और मंगलवार को बड़ी संख्या में हनुमान भक्त धाम पहुंचते हैं, इसलिए इन दिनों सामान्य तौर पर पुलिस बल की तैनाती की जाती है।

'अब देश में लोकतंत्र नहीं बचा' भारत समिट में सरकार पर बरसे राहुल

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित 'भारत शिखर सम्मेलन' को किया सम्मेलन



लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि भारत अब वास्तव में लोकतंत्र नहीं रहा।

गांधी ने यहां तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित 'भारत शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए सवाल किया कि अगर निर्वाचन आयोग 14 करोड़ मतदाताओं को अवैध घोषित कर देता है, तो चुनाव वैध कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा, 'दुनिया भर में लोकतांत्रिक आंदोलन के लिए यह जरूरी है कि भारत एक लोकतंत्र बना रहे, लेकिन हमने जो पाया है और साबित किया है, वह यह है कि भारत अब वास्तव में लोकतंत्र नहीं रहा।' गांधी ने कहा कि 2014 में कांग्रेस ने एक बिल्कुल नया चुनाव देखा, जिसमें राजनीतिक व्यवस्था के भीतर लाखों डॉलर लगाए गए और एक बिल्कुल अलग तरह का प्रचार अभियान चलाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पाया कि भारत में 2014 में लोकतंत्र नष्ट हो गया था।

गिग वर्कर्स की बाइक रैली में हुए शामिल

यहीं हैदराबाद में राहुल शनिवार को गिग वर्कर्स की बाइक रैली में भी शामिल हुए। इस दौरान वह एक महिला गिग वर्कर की स्कूटी पर पीछे बैठे नजर आए। रैली में उन्होंने वर्कर्स से कहा- , भाजपा अरबपतियों को फायदा पहुंचा रही है। हम आपको मजदूर नहीं, पार्टनर बनाना चाहते हैं।

फासीवादी ज्यादा जोर से बोलते हैं

राहुल गांधी ने कहा कि फासीवादी लोग ज्यादा जोर से बोलते और चिल्लाते हैं, जबकि बहुसंख्यक लोग दूसरों की बात सुनते हैं, ध्यान देते हैं और विनम्र बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी वजह से फासीवादी लोगों की आवाज ज्यादा तेज सुनाई देती है। राहुल गांधी ने कहा कि वह खुद उन लोगों की श्रेणी में आते हैं, जो दूसरों की बात सुनते हैं, संवेदनशील होते हैं और खुद को भगवान या हर सवाल का जवाब जानने वाला नहीं मानते।

विदेशी प्रतिनिधियों से माफी मांगी

राहुल गांधी ने हैदराबाद में 'भारत शिखर सम्मेलन' में शामिल न हो पाने वाले विदेशी प्रतिनिधियों से माफी मांगी और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उन्हें इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि इससे संकेत मिलता है कि 'भारत में हमें किस तरह के हालात का सामना करना पड़ रहा है'।

1993 की 'गिफ्ट डीड' को चुनौती दी है भाई अजिताभ की पत्नी ने

अमिताभ के 'जलसा' पर विवाद, भाभी रमोला ने उठाए सवाल

एजेंसी ⏭ मुंबई

इस संपत्ति का मालिकाना हक जया बच्चन को हुआ है ट्रांसफर

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले 'जलसा' को लेकर परिवार में संपत्ति विवाद सामने आया है। उनकी भाभी, रमोला बच्चन ने 1993 की एक 'गिफ्ट डीड' को चुनौती दी है, जिसके जरिए इस संपत्ति का मालिकाना हक जया बच्चन को ट्रांसफर कर दिया गया था। रमोला का दावा है कि यह लेन-देन उनकी जानकारी या सहमति के बिना हुआ था।

यह शिकायत अंधेरी स्थित 'डिप्टी रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज' के कार्यालय तक पहुंच गई है, जहां मामले की सुनवाई शुरू हो गई है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 'जलसा' वह जगह बनी हुई है, जहां अमिताभ बच्चन अपने फैंस से मिलते हैं, जिसमें उनका लंबे समय से चला आ रहा 'संडे दर्शन' भी शामिल है।

दस्तावेज में नहीं थे गवाहों के हस्ताक्षर



रमोला ने इस बात पर भी सवाल उठाए हैं कि 1993 का वह दस्तावेज कैसे तैयार किया गया था? उनकी शिकायतों के अनुसार, उस समय 'गिफ्ट डीड' को बिना स्टाम्प ड्यूटी चुकाए एक सादे कागज पर तैयार किया गया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि उस पर गवाहों के हस्ताक्षर भी नहीं थे। इसके अलावा, उन्होंने महाराष्ट्र सरकार की 'अभय योजना' के तहत इस दस्तावेज के बाद में हुए पंजीकरण और उसे नियमित (रेगुलराइज) किए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। डिप्टी रजिस्ट्रार फैयाज मुलानी ने शिकायत मिलने की पुष्टि की और बताया कि मामले की सुनवाई शुरू हो गई है। संबंधित पक्षों से अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है।

यह है विवाद

'मुंबई मिरर' के अनुसार, अमिताभ के छोटे भाई अजिताभ बच्चन की पत्नी रमोला ने पिछले सात महीनों में पंजीकरण अधिकारियों के पास कई शिकायतें दर्ज कराई हैं। उनका दावा है कि 'गिफ्ट डीड' के जरिए जया को मालिकाना हक ट्रांसफर किए जाने से पहले, यह संपत्ति मूल रूप से उनके (रमोला के) नाम पर रजिस्टर्ड थी। 'कपोल हाउसिंग सोसाइटी' के रिकॉर्ड में जया बच्चन को ही मालिक बताया गया है। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार के 'प्रॉपर्टी कार्ड' में अभी भी रमोला का नाम दर्ज है। बताया जा रहा है कि सरकारी रिकॉर्ड में रमोला का नाम हटाकर वहां जया का नाम दर्ज करने की कोशिशों के बाद यह विवाद फिर से गहरा गया है।

यह कहा बच्चन फैमिली ने

अमिताभ बच्चन ने इस पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है, जबकि जया बच्चन से संपर्क नहीं हो सका। अभिषेक बच्चन के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और इसे परिवार का आंतरिक मामला बताया। अधिकारियों ने अभी तक विवादित दस्तावेजों और मालिकाना हक के दावों की वैधता तय नहीं की है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 15 नवंबर 2026



2011 में 135 घंटे से अधिक चली थी बजट सत्र की कार्यवाही, इस साल करीब 108 घंटे में निपटा कामकाज

कभी महीनेभर चलती थी विधानसभा, बजट सत्र 27 से घटकर अब 15 दिन, शीत सत्र भी चार बैठकों में सिमटा

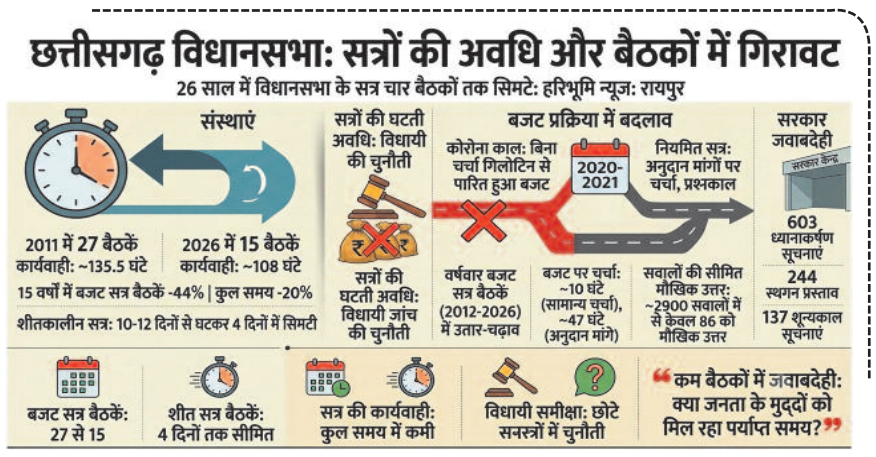

- शुरुआती वर्षों में शीतकालीन सत्र 10 से 12 बैठकों का होता था, अब चार दिन में सिमट रही सदन की कार्यवाही
- कोरोना काल में पहली बार विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा के बिना गिलोटिन से पारित हुआ था बजट

गौरव शर्मा ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस बार 14 से 17 दिसंबर तक चलेगा। चार दिनों के इस सत्र में सदन की चार बैठकें प्रस्तावित हैं। राज्य गठन के बाद विधानसभा के कामकाज के तौर-तरीकों में आए बदलाव के साथ सत्रों की अवधि और बैठकों की संख्या में भी बड़ा अंतर आया है। ▶▶शेष पेज 5 पर

हरिभूमि खास


डॉ. रमन सिंह
विस अध्यक्ष


विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री


डॉ. चरण दास महंत
नेता प्रतिपक्ष


भूपेश बघेल
पूर्व सीएम

शीत सत्र में भी घटती गईं बैठकें

बजट सत्र के साथ शीतकालीन सत्र की अवधि में भी बदलाव आया है। वर्ष 2012 के शीतकालीन सत्र में सात बैठकें हुई थीं। बाद के वर्षों में यह संख्या सामान्यतः पांच से छह के बीच रही। वर्ष 2023 में नई विधानसभा के गठन के बाद आयोजित पहले ▶▶शेष पेज 5 पर

बजट सत्रः वर्षवार बैठकें

वर्ष	बैठकें
2011	27
2012	20
2013	25
2015	17
2016	20
2018	16
2022	10
2023	14
2024	17
2025	17
2026	15

सदन में सवालों की संख्या और चर्चा के समय में कितना अंतर

विधानसभा के बजट सत्र का महत्व केवल बजट पारित करने तक सीमित नहीं है। इसी सत्र में विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होती है और विधायक सरकार से उसके खर्च, योजनाओं और नीतियों को लेकर जवाब मांगते हैं। वर्ष 2026 के बजट सत्र में 2,924 प्रश्नों की सूचनाएं मिलीं। इनमें 1,495 तारांकित और 1,429 अतारांकित प्रश्न शामिल थे। 603 ध्यानाकर्षण सूचनाएं और ▶▶शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ को एम्स से मिली छुट्टी

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को शनिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से छुट्टी दे दी गई। धनखड़ (75) को बुधवार को सुबह की सैर के दौरान अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय वह कुछ मिनट तक बेहोश रहे थे। उन्हें एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहां हृदय रोग विभाग की देखरेख में उनकी चिकित्सकीय जांच और उपचार किया जा रहा था। धनखड़ के साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें बेहोश होकर गिरने के बाद शुरुआत में पीसीआर वाहन से घर ले गए थे और बाद में उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था।

आईआईटी रुड़की में 70 परीक्षाएं स्थगित

रुड़की। उत्तराखंड के रुड़की में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में 20 वर्षीय छात्र द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या किए जाने के बाद 70 परीक्षाएं स्थगित कर दी गईं। आईआईटी रुड़की के मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी सोनिका श्रीवास्तव ने बताया कि ये सभी परीक्षाएं शुक्रवार 13 नवंबर को होनी थीं। उन्होंने कहा कि 13 नवंबर को अलग-अलग विभागों में 70 परीक्षाएं होनी थीं, लेकिन छात्र की मौत से संस्थान के छात्र शोकाकुल थे, जिसे देखते हुए आईआईटी प्रशासन ने वे सभी परीक्षाएं स्थगित कर दीं। श्रीवास्तव ने बताया कि ये परीक्षाएं अब 22 नवंबर को कराई जाएंगी।

नगर-निगम की टीम की मदद से नष्ट कराया, भोपाल से आर्डर पर ट्रेन से रायपुर आया

हरिभूमि-आईएनएच की सूचना पर पकड़ा 3 क्विंटल नकली पनीर

छत्तीसगढ़ में भले ही नकली (एनालॉग) पनीर नहीं बन रहा हो मगर दूसरे राज्यों से मंगाकर इसे खपाने का दौर थमा नहीं है। हरिभूमि-आईएनएच की सूचना खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन में 300 किलो पनीर पकड़ा है। भोपाल से पहुंचे डेढ़ सौ किलो पनीर खुला था जबकि डेढ़ सौ के पैकेट मे 25 नवंबर यानी 10 दिन बाद की निर्माण तिथि अंकित थी। इसमें से डेढ़ सौ किलो का आर्डर अग्रोहा कालोनी के बालाजी इंटरप्राइजेस से हुआ था।





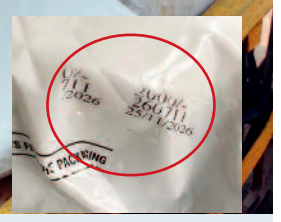

निर्माण की तारीख 25 की मिली, नष्ट किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पनीर के संदिग्ध होने की वजह खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अभिहित अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने नगर-निगम का अमला बुलाकर पूरे 300 किलो पनीर को नष्ट करा दिया। इस पूरी कार्रवाई की सूत्रधार हरिभूमि-आईएनएच की टीम बनी। टीम को शुक्रवार की रात सूचना मिली थी कि भोपाल से अमरकंटक एक्सप्रेस से नकली पनीर की बड़ी खेप रायपुर आ रही है। हरिभूमि-आईएनएच की टीम ट्रेन के पहुंचने से पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम के साथ रेलवे स्टेशन पहुंच गई थी। अमरकंटक एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से थोड़ी लेट यहां आई और स्टापेज के बाद रवाना हो गई। इस दौरान निराश हो रही टीम को पता चला कि पनीर की खेप को प्लेटफार्म से किनारे माल गोदाम के समीप उतारा गया था। टीम तत्काल हरकत में आई और वहां पहुंची जहां पनीर ▶▶शेष पेज 5 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव



लगभग 1500 किलो माल था, बच गए मुनाफाखोर

हरिभूमि टीम के सूत्रों के अनुसार ट्रेन से लगभग 30 पेटी यानी 1500 किलो नकली पनीर रायपुर और अन्य शहरों में सप्लाई करने रायपुर स्टेशन पर भेजा था। मुनाफाखोरों का शातिर गिरोह बाकी माल पिछले स्टेशन या रायपुर में किसी तरह उतार कर छिपाने में कामयाब हो गया। 300 किलो से ज़्यादा नकली पनीर ही हरिभूमि टीम और अधिकारियों के हाथ लग पाया, जिसे नष्ट किया गया। इस कार्रवाई के दौरान नकली पनीर बेचने वालों के ख़िलाफ़ महत्वपूर्ण जानकारियां हाथ लगी हैं।



डेढ़ सौ किलो का आर्डर अग्रोहा कालोनी से

पकड़े गए पनीर के पैकेट बंद डेढ़ किलो का आर्डर अग्रोहा कालोनी के बालाजी इंटरप्राइजेस से भेजा गया था। इस संबंध में एफडीए की टीम को बिल भी प्राप्त हुए थी। पैकेट में निर्माण की तारीख आगे की थी इसलिए वह संदिग्ध था वहीं डेढ़ सौ किलो पनीर के किसी तरह के दस्तावेज नहीं मिले थे इसलिए उसे भी संदिग्ध माना गया और नष्टीकरण की कार्रवाई की गई।

16 से विशेष अभियान चलाएंगे

मैदानी अमले को इस बात की सख्त हिदायत दी गई है कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड में लगातार निगरानी की जाए। मामला पकड़े जाने पर कड़ा एक्शन लिया जाए। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए 16 नवंबर से अभियान भी चलाया जाएगा।

दीपक अग्रवाल, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन

अब तक 3.50 लाख से अधिक का टोकन जारी

आज से धान खरीदी का आगाज, 1584 केंद्रों पर पहुंचेंगे 27.50 लाख किसान





हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू होने जा रही है। खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रदेश के धान उपार्जन केंद्रों में तौल, बारदाना, धान के सुरक्षित भंडारण और परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा ▶▶शेष पेज 5 पर

खास खबर

2023 से अब तक 35904 करोड़ रुपए का भुगतान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को धान का बेहतर मूल्य दिलाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2023 से खरीफ वर्ष 2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को कुल 35 हजार 904 करोड़ ▶▶शेष पेज 5 पर

अवैध धान रोकने कड़ी निगरानी

मार्कफेड की खरीदी व्यवस्था में बारदानों की उपलब्धता, केंद्रों में तौल मशीन, नमी परीक्षण, समितियों का कम्प्यूटरीकरण, खरीदी केंद्रों का संचालन, परिवहन अनुबंध और धान के सुरक्षित भंडारण की अहम भूमिका है। खरीदी के बाद धान का उठाव कस्टम मिलरों के माध्यम से कराया जाता है। शेष धान को निर्धारित भंडारण केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था है, ताकि उपार्जन केंद्रों में जगह बनी रहे और खरीदी प्रभावित न हो। धान खरीदी के दौरान अवैध धान की आवक रोकने और वास्तविक किसानों से ही खरीदी सुनिश्चित करने के लिए निगरानी व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है।

आज भाजपा का शक्ति प्रदर्शन

27 समाज प्रमुखों से चर्चा करेंगे नितिन पीएम मोदी का होगा वर्चुअल उद्बोधन

धरमजयगढ़ में आज जनजाति गौरव दिवस पर बड़ा कार्यक्रम, सीएम साय सहित पूरी सरकार भी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धरमजयगढ़ में रविवार को होने वाले जनजाति गौरव दिवस के कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रायगढ़ जिले के दो दर्जन से ज्यादा समाज प्रमुखों से अलग से चर्चा करेंगे। वे रविवार को पहली बार छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरे में वे प्रदेश में महज सवा दो घंटे रहेंगे। सुबह 10 बजे रायगढ़ के विमानतल पहुंचने के बाद हेलीकॉप्टर से धरमजयगढ़ जाएंगे ▶▶शेष पेज 5 पर





पीएम मोदी का होगा वर्चुअल उद्बोधन

उद्बोधन सत्र की शुरुआत सुबह 10:45 बजे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संबोधन से होगी। इसके उपरांत मुख्य अतिथि नितिन नवीन का उद्बोधन होगा। सुबह 11:30 से दोपहर 12 बजे तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान बैगा पुजारी सम्मान निधि योजना की राशि का अंतरण भी बटन दबाकर किया जाएगा, साथ ही राज मोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना अंतर्गत राशि का वितरण होगा। इसके साथ ही जनजाति एवं उप जनजाति प्रमुखों का सम्मान भी होगा।

सीएम साय बोले

ऐतिहासिक होगा कार्यक्रम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, रविवार को धरमजयगढ़ में आयोजित होने जा रहे जनजाति गौरव दिवस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जनता में भी भारी उत्साह है। कार्यक्रम की तैयारी से प्रतीत हो रहा है कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य होगा। श्री साय ने सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं ▶▶शेष पेज 5 पर

792 पंजीकृत मंदिरों, ट्रस्टों और संस्थाओं के पास करीब 14 हजार एकड़ कृषि भूमि

14000 एकड़ जमीन होने के बावजूद सीधे धान नहीं बेच पा रहे मंदिर, ट्रस्ट और मठ, रेगहा पर देने की मजबूरी

सचिन अग्रहरि ▶▶| राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ में मंदिरों, ट्रस्टों और मठों के पास हजारों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि होने के बावजूद इन संस्थाओं को सीधे समर्थन मूल्य पर सरकार को धान बेचने की पात्रता नहीं मिल पा रही है। वर्तमान खरीफ विपणन वर्ष के ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश के सभी 33 जिलों में कुल 792 संस्थाएं और ट्रस्ट ही पंजीकृत हैं। जिनके अधीन 5652.7459 हेक्टेयर यानी 13,969.67 एकड़ धान का रकबा दर्ज है। इतनी बड़ी मात्रा में ▶▶शेष पेज 5 पर

खास खबर

मठ-संस्थानों की ज़मीन, किसान बेचें धान



पात्रता दिए जाने उठी मांग

सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े पदाधिकारियों का मानना है कि यदि शासन स्तर पर नीतियों में संशोधन कर मंदिर, ट्रस्ट और मठों को भी सीधे समर्थन मूल्य पर धान बेचने की पात्रता प्रदान कर दी जाए, तो इन संस्थाओं की आय में सीधा इजाफा होगा। इससे प्राप्त होने वाली अतिरिक्त राशि का उपयोग मंदिरों के जीर्णोद्धार, गौशालाओं के संचालन, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याणकारी कार्यों में बेहतर ढंग से किया ▶▶शेष पेज 5 पर

धान बेचने की मिले पात्रता

ट्रस्ट भी किसान की तरह ही खेती करता है, इसलिए ट्रस्ट को भी धान बेचने का अधिकार मिलना चाहिए। इस अधिकार के मिलने से धार्मिक ट्रस्ट जनकल्याणकारी कामों में इस राशि का खर्च कर पाएंगे। इस मामले में मैंने कई बार सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया हूं लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक इस आशय का आदेश जारी नहीं किया है।

महंत रामसुंदर दास,
पीठाधीश्वर
दूधाधारी मठ रायपुर

गौशाला को भी मिले लाभ

राज्य के पंजीकृत संस्थाएं, ट्रस्ट, गौशालाएं और स्कूलो की कृषि भूमि में होने वाली उपज को राज्य सरकार को सीधे खरीदना चाहिए। गौशालाएं वैसे ही कृषि क्षेत्र में आती है। इससे पशुपालन क्षेत्र की प्रगति भी दिखाई देगी। सरकार से इस आशय का आग्रह किया गया है।

-खूबचंद पारख
अध्यक्ष, गौशाला
पिंजरापोल

बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रें के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रें में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

जनजातीय गौरव दिवस : राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक



जनजातीय गौरव दिवस
विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री
(छत्तीसगढ़)

हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

भारत की पहचान हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों से है। इस महान सांस्कृतिक विरासत को संजोने में हमारा जनजातीय समाज सदैव अग्रणी रहा है। हमारी जनजातीय परंपराओं के प्रति सम्मान है, सामाजिक समरसता और अपनी मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम है। जनजातीय गौरव दिवस केवल महान नायकों के बलिदान को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के समग्र योगदान को सम्मान देने का दिन है।

इस गौरवशाली परंपरा में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का नाम विशेष आदर के साथ लिया जाता है। भगवान बिरसा मुंडा सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक अस्मिता के ध्वजवाहक रहे हैं। उन्होंने अल्पायु में ही ब्रिटिश शासन की शोषणकारी नीतियों और मतांतरण के विरुद्ध आवाज उठाई। वर्ष 1899 में उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ उलगुलान अर्थात महाविद्रोह केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष नहीं था। वह जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के परंपरागत अधिकारों, स्वाभिमान और सम्मान की लड़ाई भी थी। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने अपना बलिदान दिया, उनके विचार आज भी देश को प्रेरित कर रहे हैं। हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजातीय समाज के इस महान योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान दिया है। उनके नेतृत्व में वर्ष 2021 को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मान्यता दी गई। यह ऐतिहासिक निर्णय जनजातीय नायकों के बलिदान और समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। आज देशभर में जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से नई पीढ़ी को अपने महान नायकों के जीवन और योगदान से परिचित कराया जा रहा है।

श्रद्धेय भारत रत्न अटल जी के नेतृत्व में ही जनजातीय बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य का गठन हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की दूरदृष्टि से जनजातीय समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति के रूप में विराजमान हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय कल्याण की योजनाओं को भी नई दिशा मिली है। पीएम–जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं जनजातीय परिवारों तक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना



का लाभ पहुंचाया जा रहा है। पीएम जनमन योजना से छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजातियों के 56 हजार 569 परिवार और धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान से 6 हजार 691 ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्यों में डबल इंजन की सरकार बनाने में हमारे जनजातीय समाज के भाई–बहनों का बड़ा आशीर्वाद रहा। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में मोदी जी की गारंटी पर भरोसा करते हुए जनता ने भाजपा की सरकार बनाई और जनजातीय समाज के साधारण कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला।

माओवाद का सबसे अधिक दंश जनजातीय समाज ने झेला है। दुर्भाग्य से कई दशकों तक देश में राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस हिंसक विचारधारा को समाप्त करने के लिये प्रभावी कदम नहीं उठाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाहजी ने माओवाद के विरूद्ध जिस तरह दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई उससे आज देश वामपंथी उग्रवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में सफल हुआ है। इसका सर्वाधिक लाभ जनजातीय क्षेत्रें के सर्वांगीण विकास के रूप में देखने को मिल रहा है। एक समय था जब बस्तर के अनेक गांव नक्सल हिंसा के कारण विकास से दूर रह गए थे। सड़कें नहीं थीं, स्कूल बंद थे और लोगों को सामान्य सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ता था। आज बस्तर में बदलाव का नया दौर शुरू हुआ है। नियद नेल्लानार एवं बस्तर मुन्ने जैसी पहल के माध्यम से दूरस्थ गांवों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रें के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रें में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री जी के करकमलों से नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक–सह–जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन हुआ। यह संग्रहालय हमारे पूर्वजों के संघर्ष, साहस और बलिदान की जीवंत गाथा है। जनजातीय समाज के साथ हमारे प्रधानमंत्री जी की आत्मीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस बार दीपावली जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र बस्तर में जवानों के बीच मनाई।

मैंने जनजातीय समाज के संघर्ष को भी करीब से देखा है। वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़कर मुझे राष्ट्र के प्रति दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा मिली। वनवासी समाज के लोग सरल–सहज होते हैं, कई बार देशविरोधी ताकतें इसका फायदा उठाती है। भगवान बिरसा मुंडा मतांतरण जैसी सामाजिक बुराई के विरूद्ध प्रेरणापुंज हैं। उनकी प्रेरणा से ही मैं स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी के नेतृत्व में मतांतरण के विरूद्ध अभियान का हिस्सा बना। छत्तीसगढ़ भांचा राम का ननिहाल है। माता शबरी के जूठे बेर यहीं भगवान राम ने वनवास के दौरान खाए। हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना शुरू कर लोगों को रामलला के जन्मस्थली अयोध्या धाम की यात्रा को आसान बनाया।

आज हमारा दायित्व है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय और समान अवसरों के माध्यम से साकार करें। मुझे पूरा विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के समावेशी विकास को नई ऊंचाई मिलेगी। यही भगवान बिरसा मुंडा के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रदूषण के कारकों पर लगानी होगी लगाम !



व्यवस्था
सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

शहरों में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। न तो हमें शुद्ध हवा मिल पा रही है और न ही साफ पानी। हालात ऐसे हो गए हैं कि देश के कई बड़े शहरों में लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें, जगह-जगह जाम, हवा में धूल और जहरीला धुआं अब आम बात हो गई है। सवाल यह है कि आखिर शहरों को इस बदहाल स्थिति से कैसे बचाया जाए? दरअसल, प्रदूषण की समस्या का समाधान केवल सड़कें चौड़ी करने या नए फ्लाईओवर बनाने से नहीं होगा। हर घर में दो-दो गाड़ियां हैं, लेकिन सड़कें और सुविधाएं पहले जैसी ही हैं। सुबह और शाम एक ही समय पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं। इससे जाम और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं। जरूरत इस बात की है कि लोगों को सार्वजनिक परिवहन के बेहतर विकल्प दिए जाएं। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने तथा साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले। यदि बाजार, स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाएं घर के आसपास उपलब्ध हों तो छोटी-छोटी जरूरतों के लिए वाहन निकालने की मजबूरी भी कम होगी। इसके साथ ही कार्यालयों के समय में बदलाव और वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना चाहिए। इससे सड़कों पर एक साथ वाहनों का दबाव कम होगा। कुल मिलाकर शहरों को बचाने के लिए केवल वाहनों की संख्या नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और आदतों में भी बदलाव जरूरी है। प्रदूषण की दूसरी बड़ी समस्या नदियों और जलस्रोतों की लगातार बिगड़ती स्थिति है। देश की राजधानी दिल्ली में यमुना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हाल ही में यमुना के पानी को साफ दिखाने के लिए रसायन के इस्तेमाल को लेकर भी विवाद हुआ। इसके बाद मछलियों और अन्य जलीय जीवों के मरने की खबरें सामने आईं। घाटों पर पाइप के जरिये साफ पानी भरने की व्यवस्था किए जाने के आरोप भी लगे। ऐसे अस्थायी उपायों से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सबसे जरूरी है कि नालों और सीवर का गंदा पानी तथा कारखानों से निकलने वाला रासायनिक कचरा नदी में गिरने से रोका जाए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसी नदी के पानी पर दिल्ली की बड़ी आबादी की जलापूर्ति निर्भर करती है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए भी सरकार और प्रशासन को गंभीरता दिखानी होगी। दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के दौरान प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसके पीछे पराली जलाना, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाना और पटाखे जैसे कई कारण हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। त्योहारों के दौरान पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है। हाल के वर्षों में दिल्ली में पटाखों को लेकर मिली ढील का असर हवा की गुणवत्ता पर दिखाई दिया। इसके अलावा कई इलाकों में खुलेआम कचरा और कबाड़ जलाया जाता है। रात के अंधेरे में होने वाली ऐसी गतिविधियों से निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। स्थानीय पुलिस, प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण एजंसियों, एनजीटी और आरडब्ल्यूए को मिलकर ऐसी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए। इसी तरह लगातार हो रहे निर्माण कार्यों पर भी नियंत्रण जरूरी है। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। खासकर प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील महीनों में अनावश्यक निर्माण कार्यों पर रोक और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़कों और खाली स्थानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। चौड़ी सड़कों के किनारे पौधारोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने से भी पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भी प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है, लेकिन आम लोगों को इसके प्रति और जागरूक करने की जरूरत है। सब्सिडी और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिलना चाहिए। साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करनी होगी। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को इतना सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी वाहन छोड़ने के लिए खुद तैयार हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदूषण से लड़ाई केवल सरकार के भरोसे नहीं जीती जा सकती। केंद्र और राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, लेकिन नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, कचरा नहीं जलाना, पानी की बर्बादी रोकना, पेड़ लगाना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना हमारी रोजमर्रा की आदतों में शामिल होना चाहिए। प्रदूषण के कारणों की पहचान करना और उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। आखिर स्वच्छ हवा और साफ पानी किसी सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है।

जनजातीय समाज के सम्मान से ही सशक्त भारत



जनजातीय गौरव दिवस
कर्मवीर सिंह

जल, जंगल और जमीन की रक्षा से लेकर सामाजिक जागरण और राष्ट्र के स्वाभिमान तक, भगवान बिरसा मुंडा का जीवन भारतीय इतिहास की ऐसी प्रेरणागाथा है, जो आज भी देश को दिशा दिखाती है। भारत की सभ्यता और संस्कृति की जड़ें जितनी प्राचीन हैं, उतनी ही समृद्ध हमारी जनजातीय परंपराएं भी हैं। भारतीय इतिहास में जनजातीय समाज का योगदान केवल अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश की स्वतंत्रता, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुर्भाग्यवश, इतिहास के अनेक पन्नों में इन महानायकों के संघर्ष और बलिदान को वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसके वे वास्तविक रूप से हकदार थे। इसी ऐतिहासिक योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान दिलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है जनजातीय गौरव दिवस, जिसे प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2021 में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह दिन केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि देश के करोड़ों जनजातीय नागरिकों के स्वाभिमान, अस्मिता और गौरव को नमन करने का दिन है।

15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा का जीवन असाधारण संघर्ष और अदम्य साहस की मिसाल है। उनके पिता सुगना मुंडा और माता करमी हातू ने आर्थिक कठिनाइयों के बीच उनका पालन-पोषण किया। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और सामाजिक चेतना से संपन्न बिरसा मुंडा ने बहुत कम उम्र में यह समझ लिया था कि आदिवासी समाज की सबसे बड़ी चुनौती उसकी जमीन, संस्कृति और पारंपरिक अधिकारों पर बढ़ता बाहरी हस्तक्षेप है।

उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित किया, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई और शिक्षा, स्वच्छता, नैतिकता तथा सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। उनके अनुयायी उन्हें श्रद्धा से 'धरती आबा' अर्थात धरती के पिता कहकर पुकारते हैं। यह संबोधन उनके प्रति केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि अपनी धरती और समाज के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है।

'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' अर्थात हमारा देश, हमारा राज का उनका विचार आदिवासी स्वशासन, अधिकार और आत्मसम्मान की भावना का प्रतीक बन गया। यह आंदोलन केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह नहीं था, बल्कि अपनी पहचान, परंपरा, सामाजिक व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार की लड़ाई भी था। अंततः 9 जून 1900 को रांची जेल में मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका जीवन भले ही छोटा रहा, लेकिन उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ गया। उनके आंदोलन के बाद आदिवासी भूमि अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कानूनी बदलाव हुए। 1908 का



छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम इसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण परिणाम था। छत्तीसगढ़ की धरती भी जनजातीय वीरता और बलिदान की अनेक गाथाओं की साक्षी रही है। वीर नारायण सिंह और शहीद गुंडाधुर जैसे जननायकों ने अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष कर आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और स्वाभिमान की विरासत छोड़ी है।

बस्तर की गौरवशाली परंपराओं से लेकर सरगुजा की सांस्कृतिक विविधता तक, जनजातीय समाज ने अपनी पहचान और विरासत को जीवित रखा है। उनके पर्व, परंपराएं, सामुदायिक जीवन और प्रकृति के प्रति सम्मान हमें विकास का एक ऐसा दृष्टिकोण देते हैं, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाएं साथ-साथ चलते हैं।आज आवश्यकता है कि जनजातीय समाज की इस समृद्ध विरासत को केवल सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, शोध, पर्यटन, कला और राष्ट्रीय विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए।

जनजातीय गौरव दिवस हमें अतीत के बलिदानों को याद करने के साथ-साथ वर्तमान की जिम्मेदारियों का भी एहसास कराता है। किसी समाज का वास्तविक सम्मान तभी संभव है, जब उसे समान अवसर, बेहतर शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो।

आज जनजातीय क्षेत्रों में विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, वन अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ना तथा जनजातीय भाषाओं और परंपराओं का संरक्षण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

वर्तमान में मोदी सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और विकास, दोनों क्षेत्रों में अपने संकल्प के अनुरूप प्रयास कर रही है। आज देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे समय में केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि विकास की इस यात्रा में जनजातीय समाज की भागीदारी केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता और राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार के रूप में हो। जनजातीय समाज के युवाओं को शिक्षा, खेल, तकनीक, उद्यमिता, प्रशासन और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। साथ ही, जनजातीय महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी को भी मजबूती मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का 1 नवंबर 2025 को उद्घाटन भी इसी ऐतिहासिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह संग्रहालय उन अनेक जनजातीय नायकों के योगदान को सामने लाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया।

क्योंकि जनजातीय समाज का सम्मान केवल अतीत के बलिदानों को याद करने से नहीं, बल्कि वर्तमान में उनके अधिकारों की रक्षा और भविष्य में उनके सपनों को साकार करने से होगा।

यह हम सभी भारतीयों का दायित्व है कि जनजातीय गौरव दिवस पर हम ऐसा भारत बनाने का संकल्प लें, जहां विकास के साथ विरासत सुरक्षित रहे, आधुनिकता के साथ संस्कृति जीवित रहे और हर जनजातीय नागरिक को सम्मान, समान अवसर और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ने का अधिकार मिले।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें यही संदेश देता है—अपनी धरती से जुड़े रहिए, अपनी संस्कृति पर गर्व कीजिए और अपने अधिकारों एवं स्वाभिमान के लिए सदैव सजग रहिए।

जय धरती आबा !

-लेखक भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं।

जनजातीय खेल प्रतिभाओं को मिल रही नई पहचान



जनजातीय गौरव दिवस
अरुण साव

बस्तर के घने जंगलों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं का अपार भंडार है। यहां के युवाओं में साहस, जीवटता, शारीरिक क्षमता और संघर्ष का अद्भुत जज्बा है। अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिन्हें उचित प्रशिक्षण और खेल सुविधाओं के अभाव में अपनी क्षमता साबित करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। इन प्रतिभाओं को पहचान और आगे बढ़ने का मंच देना छत्तीसगढ़ के खेल विकास की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय खिलाड़ियों को स्थानीय प्रतियोगिताओं से लेकर राष्ट्रीय खेल मंचों तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है।

किसी खिलाड़ी की प्रतिभा उसकी भौगोलिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसके प्रदर्शन और परिश्रम से आंकी जानी चाहिए। इसी सोच के साथ जनजातीय अंचलों में खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का विस्तार किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में आदिवासी उपयोजना के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग के लिए 22 करोड़ 54 लाख रुपए का प्रावधान है। इसमें बस्तर और सरगुजा ओलंपिक के लिए पांच-पांच करोड़ रुपए, बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए तथा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए दो करोड़ 60 लाख रुपए शामिल हैं। युवा कल्याण गतिविधियों और राज्य युवा उत्सव के लिए भी दो-दो करोड़ रुपए की व्यवस्था है।

जनजातीय खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में नियमित अभ्यास, प्रशिक्षित मार्गदर्शन और उपयुक्त खेल मैदानों की उपलब्धता शामिल है। इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष सरगुजा, कांकेर, जशपुर और गरियाबंद में स्टेडियम निर्माण के लिए 35 करोड़ 32 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृतियां दी गई हैं। सरगुजा में संभाग स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम, कांकेर के सिंगारभाट और गरियाबंद में जिला स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम तथा जशपुर में फुटबॉल स्टेडियम विकसित किए जाएंगे। जशपुर में तीरंदाजी अकादमी के लिए 16 करोड़ रुपए का कार्यादेश जारी किया गया है। बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इन सुविधाओं के विकसित होने से जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमता निखारने और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

जनजातीय खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें प्रतिस्पर्धा का अवसर देने की दृष्टि से बस्तर ओलंपिक एक महत्वपूर्ण पहल है। बस्तर संभाग के सात जिलों में 11 खेल विधाओं के अंतर्गत विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताएं दूरस्थ गांवों के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देती हैं। जो खिलाड़ी बड़े खेल आयोजनों तक आसानी से नहीं पहुंच पाते, उन्हें अपने क्षेत्र से आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी 'मन की बात' में बस्तर ओलंपिक का उल्लेख 'अनूठे ओलंपिक' के रूप में किया है। इसी तरह



सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से संभाग के छह जिलों में 12 खेल विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इन आयोजनों की वास्तविक उपलब्धि केवल विजेता चुनना नहीं, बल्कि उन प्रतिभाओं को सामने लाना है, जिनके पास हुनर तो है, लेकिन उसे प्रदर्शित करने के अवसर सीमित रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के रूप में सामने आया। देश के इस पहले आयोजन की मेजबानी प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं जनजाति समाज के सर्वप्रिय जननेता श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व मे छत्तीसगढ़ ने 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में की। एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती की सात खेल विधाओं ने जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने का राष्ट्रीय मंच दिया। प्रदेश के व्यक्तिगत स्पर्धाओं के पदक विजेताओं को स्वर्ण पदक पर दो लाख रुपए, रजत पर डेढ़ लाख रुपए और कांस्य पदक पर एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। ऐसे आयोजन जनजातीय खिलाड़ियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें उच्च स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धाओं के लिए प्रेरित करते हैं। जनजातीय अंचलों की बेटियों में भी खेल प्रतिभाओं की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्हें स्थानीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में भाग लेने और अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने के अधिक अवसर मिलें, इसके लिए महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए 76 लाख रुपए तथा ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं के लिए एक करोड़ छह लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। जनजातीय परिवारों की बेटियों को खेल के मैदान तक पहुंचने और अपनी पहचान बनाने के अवसर उपलब्ध कराना सामाजिक सशक्तीकरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

खेल जनजातीय युवाओं के जीवन में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। मैदान पर मिली सफलता उन्हें नई आकांक्षाओं से जोड़ती है। बस्तर ओलंपिक को राष्ट्री

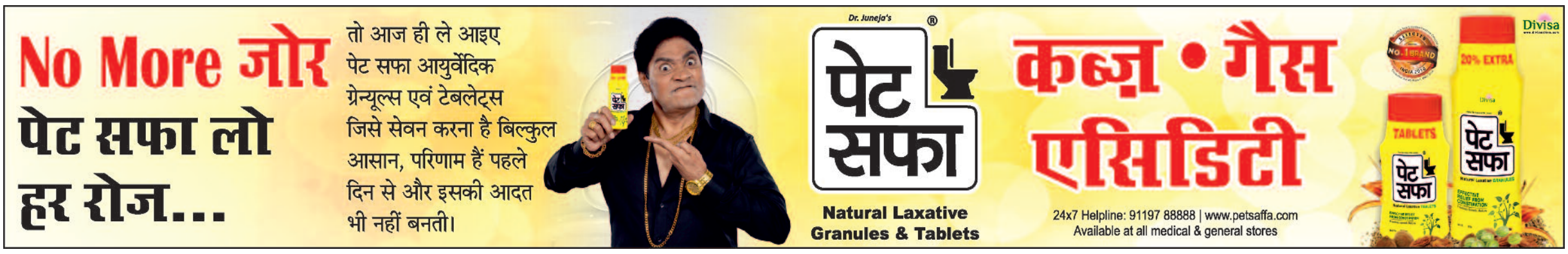

तरकश

संजय के. दीक्षित

वीवीआईपी विजिट और शराबखोरी

जिले में कप्तान बनाने में प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों को वेटेज देने के लिए सिस्टम को कोसने वाले छत्तीगसढ़ के यंग आईपीएस भी गजबे कर रहे हैं। ठीक है, जमाना बदल रहा, मगर देश की दूसरी सबसे प्रतिष्ठित सर्विस का उन्हें कुछ तो ध्यान और सम्मान रखना चाहिए। चिंतित करने वाला यह वाकया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के विजिट के दिन का है। कुछ आईपीएस अधिकारियों की रायपुर में ड्यूटी लगाई गई थी। राष्ट्रपति जब बस्तर के लिए रवाना हो गई तो आईपीएस अधिकारी पहुंच गए रायपुर के एक बड़े मॉल के बीयर-बार में। इस दौरान कुछ उनके बैचमेट दोस्त भी आ गए। फिर दिनदहाड़े सबने जमकर जाम छलकाया। लड़खड़ाते कदमों से जब वे मॉल से बाहर निकले तो इसकी सूचना किसी ने पुलिस मुख्यालय को दे दी। इस पर खुफिया चीफ अमित कुमार ने पांचों आईपीएस अधिकारियों की जमकर क्लास ली। जैसी कि आईपीएस बिरादरी में चर्चा है...उन्होंने यहां तक कह दिया...पर्सनल लाइफ में जो करना है करो मगर वीवीआईपी मूवमेंट के समय...दिनदहाड़े सार्वजनिक जगह पर बैठकर दारु पीकर तुमलोग लिमिट को क्रॉस कर रहे हो...आगे इस तरह की घटना हुई तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुल मिलाकर उन्होंने डांटा तो खूब। मगर डायरेक्ट आईपीएस थे, इसलिए मामला डांट तक सीमित रह गया।

रायपुर और विषकन्याएं

इस तरकश स्तंभ में अधिकारियों को कई बार विषकन्याओं से सतर्क रहने के बारे में आगाह किया जा चुका है। मगर लंगोट के ढिले प्रशासनिक और पुलिस अफसर कहां मानने वाले। अभी ब्लैकमेलिंग और हनी ट्रैप का ताजा मामला राजधानी से लेकर पूरे प्रदेश में गरमाया हुआ है, पुलिस अगर उसका खुलासा कर दें, तो करीब दर्जन भर अधिकारियों का तालाक हो जाएंगे तो कई नेताओं के घर-परिवार उजड़ जाएंगे। व्हाट्सएप के चौट इतने भद्दे और अश्लील हैं कि उसे यहां कोट नहीं किया जा सकता। वीडियो देखकर यह जरूर कहा जा सकता है कि वीआईपी रोड का होटल व्याभिचार का अड्डा बन गया था। बहती गंगा में प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अफसर और नेताओं ने जमकर डूबकी लगाई। विषकन्याओं ने न जाने वहां कितने लोगों को डंसा? हालांकि, जरूरी नहीं कि मोबाइल में जो वीडियो मिले हैं, जिसे पुलिस ने जब्त किया है, वो ही अंतिम हो। आशंका इस बात की भी है कि उसके क्लिप कहीं और भी रखे गए हों। ऐसे में, दर्जन भर से अधिक बड़े अफसर और नेता कब तक ब्लैकमेल होंगे, इसका कोई ठिकाना नहीं। क्योंकि, बेडरूम के खुफिया कैमरे के एक्सेज मोबाइल में थे और बेडरुम की ए-टू-जेड एक्टिविटी मोबाइल में लाइव होती थी। इससे आप मामले की गंभीरता को समझ सकते हैं। इन्हीं सब इनपुट्स के आधार पर पिछले महीने तरकश में हमने लिखा था...छत्तीसगढ़ के 80 परसेंट अफसर...तो अफसरशाही में हाय-तोबा मच गई थी।

ईडी की इंट्री



खैर, अश्लील वीडियो, हनी ट्रैप केस में कुछ खास नहीं होने वाला मगर मोबाइल से कोयला और शराब घोटाले के गंभीर किस्म के साक्ष्य मिले हैं, उसमें आगे चलकर ईडी की भी इंट्री हो जाए, तो आश्चर्य नहीं। इस मामले में कई अफसरों और नेताओं की परेशानी बढ़ जाएगी। क्योंकि, व्हाट्सएप चौट में बकायदा उनके नाम हैं। किसको क्या मिला, इसका जिक्र भी।

पुलिस कमिश्नर को एक्सटेंशन?

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के एरिया का भले ही विस्तार नहीं हुआ मगर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला को सेवा विस्तार मिलने की संभावनाएं दिखाई पड़ रही है। संजीव का जनवरी 2027 में रिटायरमेंट है। हालांकि, सुनने में आ रहा...संजीव एक्सटेंशन के लिए बहुत इच्छुक नहीं। मगर गृह मंत्री विजय शर्मा की इच्छा है कि वे कम-से-कम एक साल और कंटीन्यू करें। मगर ये राज्य सरकार के हाथ में नहीं है। राज्य सरकार प्रस्ताव भेजेगी, उसके बाद मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स उस पर मुहर लगाएगा। चूकि राज्य के गृह मंत्री को देश के गृह मंत्री से ठीकठाक संपर्क है, लिहाजा नामुमकिन जैसा कुछ नहीं। अब ये बात अलग है कि कसी और के माथे पर 31 जनवरी को पुलिस कमिश्नर बनना लिखा होगा, तो फिर भला गृह मंत्री क्या कर सकते हैं।

अध्यक्ष या कार्यकारी अध्यक्ष?

छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का मामला अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष में उलझ गया है। किरण सिंहदेव के सड़क हादसे में गंभीर रुप से जख्मी होने के बाद मूवमेंट उनका शुरू हो गया है। मगर अभी भी कुछ दिक्कतें हैं। उन्हें बदलने को लेकर पार्टी में दो धड़ा हो गया है। एक पक्ष चाहता है कि किरण सिंहदेव अपने पद पर बने रहें, उनकी जगह कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया जाए, तो दूसरे पक्ष का मानना है कि चुनाव नजदीक आ रहा, अब नए फेस को मैदान में उतारना बेहतर होगा। कार्यकारी अध्यक्ष का मामला इसलिए भी गड़बड़ा रहा कि इसके लिए जिन नेताओं के नाम चल रहे थे, वे सभी राजनीति में किरण सिंहदेव से सीनियर हैं। फिर, उनके अंदर में कैसे काम करेंगे। जाहिर है, किरण सिंहदेव भी अध्यक्ष पद को लेकर बहुत उत्सुक नहीं हैं। पिछले साल अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले मंत्री बनने की इच्छा व्यक्त करने वाला उनका बयान आया ही था। ये अलग बात है कि पार्टी ने मंत्री बनाने की जगह उन्हें दोबारा प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप दी। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रद्रेश प्रभारी स्मृति ईरानी की इनपुट्स के बाद बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व क्या फैसला करता है।

कलेक्टरों का ट्रांसफर



छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक गलियारों में कलेक्टरों के ट्रांसफर की अटकलें बड़ी तेज है। ऐसी खबर है...सरकार इस महीने के अंत तक एक लिस्ट जारी कर सकती है। लिस्ट छोटी ही होगी। यही कोई पांच-सात। हालांकि, धान खरीदी का सीजन है। मगर जानकारों का कहना है, धान खरीदी के दौरान पहले भी कई दफा कलेक्टरों की लिस्ट निकली है। दरअसल, 18 जिलों में नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं। इनमें तो रायपुर और दुर्ग जिले के चार नगर निगम भी शामिल हैं। 30 नवंबर वोटर लिस्ट के अंतिम प्रकाशन का डेट है। इसके बाद एक से पांच दिसंबर के बीच कभी भी राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह चुनाव का ऐलान कर सकते हैं। फिर 15 जनवरी तक कुछ नहीं हो पाएगा। इसलिए, 30 नवंबर से पहले कलेक्टरों की एक लिस्ट अपरिहार्य है। इनमें तीन बड़े जिले भी प्रभावित हो सकते हैं। जिन जिलों में लोकल बॉडी इलेक्शन हैं, उनमें रायपुर, दुर्ग, रायगढ़, सारंगढ़, धमतरी, कोरिया, सूरजपुर, बेमेतरा, खैरागढ़, सुकमा, कांकेर, बीजापुर, जीपीएम, जांजगीर, बलरामपुर, गरियाबंद, बालोद और सरगुजा शामिल है। अब चुकि चेन बनेगा, तो जहां चुनाव नहीं है, उन जिलों के भी कुछ कलेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। वैसे भी रायपुर कलेक्टर का जनवरी में तीन साल हो जाएगा। सो, ऐसा भी संभव है...उन्हें दुर्ग, दुर्ग वाले को बिलासपुर और बिलासपुर वाले रायपुर के कलेक्टर बन जाएं। हालांकि, चर्चा तो रायगढ़ और राजनांदगांव वाले को भी अपग्रेड करने की चल रही है। अब देखना है, किस तरह की ये लिस्ट निकलती है। क्योंकि, इस बार जो लिस्ट निकलेगी, उनमें से कोई हिट विकेट नहीं हुआ तो वे ही अगला विधानसभा चुनाव कराएंगे। लिहाजा, सरकार अबकी खूब ठोक बजाकर फैसला लेगी।

पीएससी की नियुक्ति और पेंच

भूपेश बघेल सरकार ने कई संवैधानिक पदों पर पोस्टिंग से चूक गई। यहां तक कि पीएससी चेयरमैन और मुख्य सूचना आयुक्त जैसे पदों पर भी अपने लोगों को नहीं बिठा पाई। प्रभार में काम चलता रहा। पीएससी के मामले में तो कम-से-कम इस सरकार में भी यही हो रहा। ढाई महीने से चेयरमैन का पद खाली है तो मेंबर के भी दो पद वैकेंट हैं। वित्त आयोग और बिजली नियामक आयोग में नियुक्तियां नहीं हो रही तो वह एक बार चलेगा। मगर पीएससी की पोस्टिंग में तो स्फूर्ति दिखानी चाहिए। खैर, विश्वस्त सूत्रों ने तस्दीक की है...अब कागजी अनुमोदन की प्रक्रिया लगभग अंतिम चरण में है। अगले सप्ताह किसी भी सूरत में आदेश जारी हो जाएगा। अभी सिर्फ चेयरमैन का आदेश निकलेगा। उसके बाद फिर मेंबर नियुक्ति की फाइल चलेगी।

अंत दो सवाल आपसे?

1. क्या डीजीपी अरुणदेव गौतम को सरकार उनके रिटायरमेंट याने जुलाई तक एक्सटेंशन देने पर विचार कर रही है?
2. धान बोनस के मास्टर स्ट्रोक का जनक कौन हैं, जिसके बाद विपक्ष को प्रतिक्रिया देने में 24 घंटे लग गए?



साइंस-फाई फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में आएंगी नजर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता रसेल क्राउ के साथ प्रियंका चोपड़ा एक नई साइ-फाई फिल्म में नजर आएंगी। 'ब्लूफ्लाई' नाम की इस फिल्म की शूटिंग इस समय ऑस्ट्रेलिया में जारी है। फिल्म में प्रियंका मायला रीस नाम की एक यूएन इंटरप्रेटर का दिलचस्प किरदार निभा रही हैं। मायला को क्राउ के किरदार के साथ कांगो में एक गुप्त मिशन पर जाना है। यह किरदार प्रियंका के अब तक के एक्शन से भरे किरदारों से काफी अलग है। यह पूरी कहानी एक खोए हुए मिलिट्री विमान की तलाश के उनके एडवेंचर पर आधारित है। अपने इस किरदार के लिए प्रियंका यूएन अनुवादकों के साथ काम करने के अपने पिछले अनुभवों का इस्तेमाल कर रही हैं। इस फिल्म में माइकल चिक्लिस भी एक अमेरिकी सरकारी अधिकारी के किरदार में दिखेंगे।'ब्लूफ्लाई' के साथ, प्रियंका के हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की लिस्ट में एक और बड़ी फिल्म शामिल हो जाएगी। इसके अलावा, उनकी 'वाराणसी' और 'जजमेंट डे' जैसी फिल्में भी 2027 में रिलीज होने वाली हैं।



शेखर की 'बैंडिट क्वीन' का आएगा सीक्वल निर्देशक त्रेहान को सौंपी गई जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्ममेकर शेखर कपूर ने 1994 में आई फिल्म 'बैंडिट क्वीन' के जरिए डकैत फूलन देवी की जिंदगी को पर्दे पर उतारा था। उस वक्त दर्शकों ने भी फिल्म को सराहा था। ताजा अपडेट है कि 3 दशक के बाद इसके सीक्वल पर आधिकारिक मुहर लगाई गई है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के जरिए फूलन देवी की जिंदगी के एक और चैप्टर को दिखाया जाएगा। इसके निर्देशन की जिम्मेदारी फिल्म 'सतलुज' वाले हनी त्रेहान ने उठाई है।

मीडिया के साथ बातचीत में, हनी ने कहा कि वह फूलन देवी पर



आधारित 'बैंडिट क्वीन' का सीक्वल ला रहे हैं। उन्होंने कहानी पर अपडेट देते हुए कहा, फिल्म वहीं से शुरू होती है जहां शेखर सर की बैंडिट क्वीन खत्म हुई थी। ओरिजिनल फिल्म ने जो दिखाया था, उसे सम्मान देना एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं स्क्रिप्ट में पूरी तरह डूबा हुआ हूं और बॉबी (बेदी) सर ने पहले ही जितनी रिसर्च कर ली है, उसे देख रहा हूं। 'बैंडिट क्वीन' की कहानी रेप और उनके बदले की घटनाओं पर आधारित थी। सीक्वल इस पर फोकस करेगा कि जेल से बाहर आने के बाद उनका क्या होता है। यह 1983 में पुलिस के सामने उनके सरेंडर, 11 साल जेल में रहने के बाद की जिंदगी और 2001 में उनकी हत्या की घटना पर आधारित होगी। इसके अलावा, उम्मेद सिंह के साथ उनके रिश्ते, जिससे उन्होंने बाद में शादी की, उसे भी फिल्म में दिखाया जाएगा।

शिल्पा शेट्टी संभालेंगी नए रियलिटी शो प्यार का प्रेशर कुकर की कमान

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी जल्द ही नए रियलिटी शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करती नजर आएंगी। ये शो जियो हॉटस्टार और कलर्स पर प्रसारित होगा। इसमें ऐसी जोड़ियों की कहानी दिखाई जाएगी, जिनके रिश्ते लंबे समय से उलझे हुए हैं या जिनके बीच ये साफ नहीं है कि वे साथ रहना चाहते हैं या नहीं। शो में उन्हें अपने रिश्ते और भविष्य को लेकर फैसला करना होगा। इसे भारत का पहला 'रिलेशनशिप क्लैरिटी शो' बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के



मुताबिक, शो में नए रिश्तों से लेकर लंबे समय से साथ रह रहे ऐसे जोड़े हिस्सा लेंगे, जिन्होंने शादी का फैसला नहीं लिया है। सभी एक घर में रहेंगे और उन मुश्किल सवालों का सामना करेंगे, जिनसे वे बचते आए हैं। उनके माता-पिता भी आकर रिश्ते पर अपनी राय देंगे। आखिर में हर जोड़ी को भविष्य पर फैसला लेना होगा, जिसे शो की टैगलाइन 'जोड़ो या तोड़ो' में समेटा गया है। शो का नाम रसोई के प्रेशर कुकर से लिया गया है, जहां किसी के सच बोलने पर 'क्लैरिटी की सीटी' बजती है।

अनुपम ने जटायु के किरदार में झोंकी जान

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' में जटायु के किरदार को अपनी आवाज दी। उन्होंने इस किरदार के आखिरी पलों की भावनाओं को बखूबी दर्शाने के लिए अभिनय के तरीके में बदलाव किया और अपनी जान झोंक दी थी। अभिनेता ने रावण और जटायु की लड़ाई वाले सीन के दौरान 'हे राम' वाले संवाद को 200 से ज्यादा बार दोहराया था। वह किरदार की भावनाओं को अपनी आवाज से सही तरीके से व्यक्त करना चाहते थे। अनुपम ने आगे कहा, आखिर में जो 'हे राम' है, मैंने उसे कम से कम 200 बार तो जरूर करके देखा होगा। ये एक छोटी-सी लाइन है, जिसे



'ढिंडोरा सीजन 2' का धमाकेदार ट्रेलर जारी

मुंबई। भुवन बाम की सुपरहिट वेब सीरीज 'ढिंडोरा' के दूसरे सीजन का धमाकेदार ट्रेलर जारी हो गया है। करीब 5 साल के लंबे इंतजार के बाद कॉमेडियन अपने आइकॉनिक किरदारों के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसके लिए उनके फैंस का उत्साह सांतवें आसमान पर है। पिछले सीजन की तरह ही, 'ढिंडोरा 2' में भुवन भरपूर देसी ह्यूमर, भावनात्मक पारिवारिक ड्रामा और टीटू मामा के वन-लाइनर्स लेकर आए हैं। इस 8 एपिसोड वाली सीरीज का निर्देशन स्नेहा शेट्टी ने किया है। ट्रेलर से पता चलता है कि इस बार कहानी के केंद्र में टीटू मामा हैं। उनके ऊपर 11 करोड़ रुपये के बड़े नुकसान का दबाव है और साथ ही उन्हें अपने ससुराल वालों के साथ रिश्ते सुधारने की जिम्मेदारी। उनकी यही कोशिश घर में एक नए तूफान और जबरदस्त कॉमेडी को जन्म देती है। सीरीज में संजीदा शेख, कंवलजीत सिंह, अनूप सोनी और हेमंत पांडे भी मौजूद हैं। इसका प्रीमियर 20 नवंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।

यश को रावण दिखने पहनना पड़ता था 33 किलो का कॉस्ट्यूम

मुंबई। एक ग्रैंड माइथो फिल्म बनाना कोई आसान काम नहीं होता। ना ही फिल्म मेकर्स के लिए और ना ही फिल्म में काम करने वाले आर्टिस्ट के लिए। खासतौर पर जब रामायण जैसी महागाथा की बात हो तो चीजें और कॉम्पलेक्स हो जाती हैं। ऐसे किरदारों को पर्दे पर जीवंत करने और दर्शकों को उन पर यकीन दिलाने में कॉस्ट्यूम सबसे अहम भूमिका निभाता है। हाल ही में एक बातचीत में कॉस्ट्यूम स्टाइलिस्ट और डिजाइनर सानिया सरधरिया ने रावण के लुक में यश के जबरदस्त लुक के बारे में बताया। उन्होंने खुलासा किया कि यश को करीब 16 से 20 किलो वजन वाले कॉस्ट्यूम पहनने पड़ते थे। कुछ सीन में तो यश के कॉस्ट्यूम का वजन 30 से 33 किलो तक भी पहुंचा है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे इन भारी-भरकम कॉस्ट्यूम की वजह से यश के लिए हिलना-डुलना मुश्किल हो जाता था।

हिलना-डुलना मुश्किल हो जाता था

'ज्यादातर कॉस्ट्यूम करीब 16 से 20 किलो के

मीडिया से बात करते हुए सानिया ने कहा, ज्यादातर कॉस्ट्यूम का वजन, गहनों को मिलाकर लगभग 16 से 20 किलो होता था। लेकिन कुछ कॉस्ट्यूम बहुत भारी थे जैसे लंका से जुड़ा रावण का लुक, उनकी शादी का कॉस्ट्यूम और वह कॉस्ट्यूम जो उन्होंने शूर्पणखा की शादी के समय पहना था। जहां तक मुझे सही सही याद है उनका वजन लगभग 30–33 किलोग्राम था।

आईएफएफआई में होगा 'रामायण' का प्रीमियर 'धुरंधर' से होगी इंडियन पैनोरमा की शुरुआत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आईएफएफआई 2026 की शुरुआत बड़े धूमधाम से होने वाली है। ब्रिक्स सेगमेंट की ओपनिंग फिल्म 'रामायण' होगी, जिसमें रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। यह फेस्टिवल गोवा में 20 से 28 नवंबर तक चलेगा और इसका थीम 'स्टोरीज विदाउट बॉर्डर्स' रखा गया है। इसमें 86 देशों की 150 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फिल्में दिखाई जाएंगी, साथ ही ब्रिक्स सिनेमा पर खास ध्यान दिया जाएगा।

इंडियन पैनोरमा की शुरुआत रणवीर की फिल्म 'धुरंधर' और लद्दाखी फिल्म 'बिकमिंग' से



होगी। इस बार एनिमेशन (जिसमें 5 बेहतरीन फिल्में चुनी गई हैं) और फिल्म्स अबाउट फिल्म्स जैसे नए सेगमेंट भी पहली बार देखने को मिलेंगे। स्पेन को 'कंट्री ऑफ ऑनर' के तौर पर चुना गया है, जहां 'द बैड सन' और 'बिटर क्रिसमस' जैसी फिल्में दिखाई जाएंगी। इसके अलावा, नई प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए बेस्ट डेब्यू फीचर फिल्म्स के लिए एक प्रतियोगिता भी होगी।



हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 15 नवंबर 2026

देश में बढ़ती बुजुर्गों की आबादी

एक जरूरी पड़ताल

आज भले ही हमारे देश में युवाओं की आबादी अधिक है। लेकिन तमाम आंकड़े और अध्ययन बताते हैं कि आने वाले कुछ दशकों में युवाओं से अधिक बुजुर्गों की आबादी हो सकती है। इसकी अनेक वजहें हैं। देश के निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर बने रहने के लिए बुजुर्ग और युवा जनसंख्या में संतुलन आवश्यक है। इसलिए इन वजहों की पड़ताल और प्रभावी कदम उठाए जाने की बहुत जरूरत है।



कवर स्टोरी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

किसी भी देश या समाज की असली ताकत उसके युवा होते हैं। वह युवा शक्ति ही है, जो देश के विकास को गति देती है, उसकी दशा एवं दिशा तय करती है और परिवर्तन की निमित्त बनती है। खुशी की बात है कि वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की चालीस प्रतिशत से अधिक आबादी पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं की है। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं का प्रतिशत लगभग पैंसठ प्रतिशत है। देश के लिए यह गर्व और प्रसन्नता की बात है। लेकिन सामाजिक स्थितियां इंगित कर रही हैं कि इस खुशी की आयु बहुत लंबी नहीं है।

क्या कहते हैं आंकड़े

अपना देश बुढ़ापे की तरफ बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस बात की पुष्टि विविध आंकड़ों से भी होती है। आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत बूढ़ों का देश हो जाएगा। यानी, यहां युवाओं की तुलना में बूढ़ों की संख्या अधिक हो जाएगी। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1951 में भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 2 करोड़ थी। वर्ष 2011 में भारत में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आबादी 10.16 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की लगभग 8.4 प्रतिशत थी। अगले दस वर्षों में यह आबादी बढ़ कर दोगुनी और कुल आबादी की 10.5 प्रतिशत हो गई। बताया जाता है कि वर्तमान यानी 2025 में देश में साठ वर्ष से अधिक आयु वालों की आबादी कुल आबादी की लगभग 12 प्रतिशत से कुछ अधिक है। 2030 तक देश की बुजुर्ग आबादी बढ़ कर 13.8 प्रतिशत हो जाएगी, जो देश की तत्कालीन आबादी का सातवां हिस्सा होगा। यानी देश का हर सातवां नागरिक बुजुर्ग होगा। अनुमान है कि वर्ष 2036 में देश की कुल आबादी 153 करोड़ होगी और तब तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 23 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की 15 प्रतिशत तक हो जाएगी। इसमें 80 साल से अधिक आयु का हिस्सा ज्यादा होगा। इसी प्रकार अनुमान है कि सन् 2050 में देश की लगभग 21 प्रतिशत आबादी सीनियर सिटिजन की होगी। सन् 2075 में भारत की कुल आबादी 1.6 अरब होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 32 प्रतिशत हिस्सेदारी साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी। यानी पचास साल बाद 2075 में देश का हर तीसरा व्यक्ति सिनियर सिटिजन होगा।



कम हो रही युवा आबादी

वर्तमान समय में भारत की आबादी की औसत आयु 29 वर्ष बताई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सन् 2021 में देश में पंद्रह से उनतीस वर्ष आयु के मध्य के युवाओं की कुल संख्या 37.14 करोड़ थी, जो कुल जनसंख्या की लगभग 28 प्रतिशत थी। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं की भागीदारी 65 प्रतिशत से भी अधिक थी। लेकिन अब इसमें गिरावट आने लगी है। अनुमान है कि सन् 2036 में देश की आबादी में युवाओं की भागीदारी घट कर मात्र लगभग 22.7 प्रतिशत रह जाएगी। कहना न होगा कि युवा आबादी घटने से देश के जनबल और कार्यबल में कमी आएगी।

बढ़ रही है औसत आयु

पिछले दो दशकों से देश में बच्चों की आबादी बहुत तेजी के साथ घट रही है, जबकि दूसरी तरफ चिकित्सा सुविधाएं तथा जीवन स्तर में सुधार के कारण आम आदमी की जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) लगातार बढ़ रही है। अब से लगभग सौ साल पहले यानी बीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत में औसत आयु 30 वर्ष थी। छठें दशक में भारत की औसत आयु बढ़कर 43.5 वर्ष हो गई थी। 1990 में यह 58 वर्ष थी और अब अपने देश की औसत आयु लगभग 72 वर्ष हो चुकी है। एक तरफ जहां आदमी की औसत आयु लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ मृत्यु दर घट रही है।

जन्मदर में आ रही है कमी

आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि तक तो बात ठीक है लेकिन नवजात की जन्म दर में कमी की प्रवृत्ति अवश्य चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति इस कारण भी चिंता का विषय है कि बच्चों के जन्म दर में गिरावट आकस्मिक नहीं बल्कि ऐच्छिक, सुविचारित और सुनियोजित है। कह सकते हैं कि आज की युवा पीढ़ी तात्कालिक फायदे के मूल्य पर देश-समाज के भविष्य के लिए मुश्किल पैदा कर रहे हैं। भारत में जन्म लेने वाले शिशुओं की वार्षिक संख्या वर्ष 2001 में 2.93 करोड़ थी। वर्ष 2023 में यह संख्या 2.32 करोड़ रह गई। यानी लगभग दो दशक की अवधि में नवजात शिशुओं की संख्या में 20 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है।



देर से शादी भी है वजह

इस भावी समस्या का एक बड़ा कारण है शादियों में विलंब तथा युवा पीढ़ी का अपने दायित्वों से पलायन। अब से लगभग चार दशक पहले तक शादियां औसतन पच्चीस-छब्बीस वर्ष की आयु तक हो जाया करती थीं। लेकिन करियर के दबाव, जीवनशैली में बदलाव तथा सुरक्षित भविष्य की अनिश्चितता के कारण आज तीस-बत्तीस की उम्र शादी की सामान्य उम्र बन चुकी है। अधिकांश मामलों में तो यह उम्र पैंतीस या उससे भी ऊपर पहुंच चुकी है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार महिलाओं की प्रजनन क्षमता 20 से 27 वर्ष की आयु के मध्य अपने चरम पर होती है। 30 वर्ष की उम्र के बाद इस क्षमता में गिरावट आने लगती है। इससे गर्भ धारण करने की संभावना बहुत कम हो जाती है। इसी प्रकार पुरुषों में भी 35 वर्ष की उम्र के बाद शुक्राणु उत्पादन में गिरावट आने लगती है। यही कारण है कि समाज में निःसंतान दंपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अंततः युवा आबादी में ह्रास के रूप में सामने आ रही है। इसके अलावा आज कई युवा विवाह को बंधन मानने लगे हैं। लिव इन रिलेशन के ट्रेंड से इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे कपल्स बच्चे पैदा करने और उसका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होते हैं। विशेष रूप से जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं, वहां बच्चा पैदा करना एक अवांछित बोझ माना जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस सोच को और अधिक बल दिया है।

वजहें कोई भी हों, देश की घटती युवा शक्ति भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। अभी समय है कि युवाओं की घटती संख्या को गंभीरता से लिया जाए और आने वाले संभावित संकट यानी देश को बूढ़ों का देश होने से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। *

बुजुर्गों के बढ़ने की ये भी हैं अन्य वजहें

युवाओं की आबादी घटने के पीछे कुछ और कारण भी जिम्मेदार हैं। अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या तथा मार्ग दुर्घटनाएं भी युवा वर्ग की मृत्यु के कारण बन रहे हैं। पारिवारिक जिम्मेदारी, मानसिक तनाव, असुरक्षित भविष्य, नशे की लत तथा नौकरी और पढ़ाई का दबाव कई ऐसे कारण हैं, जो युवा वर्ग को आत्महत्या की तरफ ढकेल रहे हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एम्स के एक अध्ययन के अनुसार मई 2023 से अप्रैल 2024 की अवधि में घर के अंदर, ऑफिस में या यात्रा के दौरान अचानक मरने वालों में 57.2 प्रतिशत युवा थे, जिनकी औसत आयु 33.6 वर्ष थी। खास बात यह कि ऐसे मरने वालों में भी पुरुषों की संख्या महिलाओं से लगभग दो गुनी थी। किशोर वय के छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। सर्वेक्षण बताते हैं कि छात्रों की आत्महत्या की दर पिछले बारह वर्षों में 65 प्रतिशत बढ़ी है।

आत्महत्या के बाद युवा मृत्यु का दूसरा बड़ा कारण है वाहन दुर्घटना। दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु की सहभागिता कुल युवा मृत्यु का 16.4 प्रतिशत है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रति वर्ष लगभग पांच लाख मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें प्रतिवर्ष औसतन दो लाख लोगों की मौत होती है। इसमें खास बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 85 प्रतिशत युवा होते हैं। इसके अतिरिक्त कुपोषण, बाल श्रम, बाल तस्करी, बेरोजगारी, कुंठा, नशाखोरी तथा अपराध आदि भी युवाओं की संख्या में गिरावट के कारण बन रहे हैं। देश में युवाओं की घटती आबादी के पीछे एक बड़ा कारण परिवार नियोजन की नीति भी है। 15 फरवरी 2000 को घोषित भारत की जनसंख्या नीति का उद्देश्य सन् 1945 तक देश की जनसंख्या दर को स्थिर करना है। चिंता की बात यह कि देश के 14 राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम हो गई है। पड़ोसी देश चीन इस क्षेत्र में सख्ती का दुष्परिणाम भुगत चुका है। इसलिए हमें सजग रहना जरूरी है।

लाइब्रेरी से किताबें अपने घर लाने की बात हो या वहीं सुकून से बैठकर अपनी पसंदीदा पुस्तक पढ़ने की, लाइब्रेरी शब्दों से रिश्ता जोड़ने की प्यारी जगह है। अब तो डिजिटल फॉर्म में भी यह खूब लुभा रही है। नेशनल लाइब्रेरी वीक (14-20 नवंबर) के अवसर पर लाइब्रेरी की उपयोगिता पर एक नजर।

कायम है किताबों से जुड़ाव



लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

नवीय जीवन में पुस्तकें पढ़ने की उपयोगिता हमेशा से रही है। शब्दों से जुड़ाव के इस माध्यम की भूमिका हर दौर में अहम रही है। यूं भी बेहतरी की ओर बढ़ते रहने के लिए किताबों के पन्ने पलटने का चाव, उम्र के हर पड़ाव में रहना ही चाहिए। ऐसे में पुस्तकालय यानी पुस्तकों के आलय का महत्व भी सदा ही रहेगा।

लाइब्रेरी की महत्ता: लाइब्रेरी का अंग्रेजी शब्द लाइब्रेरी का ही हिंदी रूपांतर है। यह शब्द लैटिन भाषा के 'लाइवर' शब्द से बना है, जिसका अर्थ पुस्तक होता है। स्पष्ट है कि कहीं न कहीं यह पुस्तकों से जुड़ाव बनाने वाली मुहिम है। जिसके तहत अध्ययन, पठन, रिसर्च और ज्ञान के प्रसार के लिए कई तरह की पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, डॉक्यूमेंट्स और संसाधनों को व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किया जाता है। कई महंगी किताबें, लिमिटेड एडिशन वाली पुस्तकें, रिसर्च पेपर्स आदि बिना खर्चा किए यहां पढ़े जा सकते हैं। किफायत, सहूलियत और आमजन में अवेयरनेस लाने वाले स्थलों के रूप में पुस्तकालयों की अहमियत आज भी कायम है। पुस्तकालय, सिर्फ एक इमारत भर नहीं होते। यह शिक्षित और जागरूक समाज बनाने का सपना साधने की भी जगह होती है। यहां का परिवेश जन-जागरूकता का केंद्र होता है।



यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य: रीडिंग हैबिट्स बढ़ाने के साथ ही लोगों को बुक्स का महत्व समझाने के लिए हमारे देश में भारतीय पुस्तकालय संघ द्वारा 1968 से हर वर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाता है। असल में नेशनल लाइब्रेरी वीक में आयोजित होने वाली बहुत-सी एक्टिविटीज लोगों को किताबों से जोड़ने का काम करती हैं। इस अवसर पर स्कूल, कॉलेज और पब्लिक लाइब्रेरीज में पुस्तक प्रदर्शनियां, क्विज, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और स्टोरी टेलिंग-रीडिंग से जुड़े कई कार्यक्रम होते हैं।

जुड़ाव की जगह: लाइब्रेरी सिर्फ किताबें पढ़ने की जगह नहीं होती। किताबों का यह घर बहुत से लोगों को अपनेपन, वैचारिक संवाद और आपसी जुड़ाव का भी अवसर देता है। यहां नियमित आने वाले लोग अच्छे मित्र बन जाते हैं। ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर अच्छी चर्चा होती है। खासकर पब्लिक लाइब्रेरीज में तो समाज के हर वर्ग के लोगों को बिना किसी भेदभाव के फ्री पुस्तकें मिलती हैं। इतना ही नहीं शिक्षण संस्थानों की एकेडेमिक लाइब्रेरीज में भी स्टूडेंट्स में अच्छा आपसी जुड़ाव बनता है। स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बनाई गई लाइब्रेरीज नए विचारों और आइडियाज को समझने का कोना होते हैं। इतना ही नहीं पुस्तकालयों को पीढ़ियों का सेतु भी कहा जाता है। यहां पर बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों में साझा संवाद होता है। एक ही छत के नीचे बैठकर हर आयुवर्ग के लोग पुस्तकें पढ़ते हैं, तो विचार साझा करने का मार्ग भी निकलता है। ऐसे में पुस्तकालय बुजुर्गों को सोशल आइसोलेशन से भी बचाते हैं।

होते हैं अनेक लाभ: यहां विद्यार्थी किसी एक ही विषय पर अलग-अलग दृष्टिकोण से लिखी कई पुस्तकें पढ़कर भी समृद्ध होते हैं और अलग-अलग विषयों की बहुत सारी किताबें पढ़कर भी समान रुचि वाले स्टूडेंट्स मिलकर कुछ नया रचने-गुनने की साझी राह पकड़ते हैं। यूके में हुई एक स्टडी के मुताबिक शांत और सुरक्षित माहौल में नियमित रूप से पढ़ना और सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों के साथ उपस्थिति महसूस करना तनाव, चिंता और अकेलेपन के जोखिम को कम करता है। देखने में आता है कि बहुत से लोग लाइब्रेरीज में मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस मैनेजमेंट और सकारात्मक जीवनशैली पर लिखी गई किताबें भी पढ़ते हैं। मानसिक तनाव कम करने और जीवन को नया दृष्टिकोण देने वाली ऐसी पुस्तकें आमतौर पर अकादमिक पुस्तकों की तरह खरीदकर कम ही पढ़ी जाती हैं। ज्ञान के प्रसार का जीवंत केंद्र माने जाने वाले पुस्तकालयों में बैठकर इन्हें पढ़ने वाले इनसे खूब लाभान्वित होते हैं। अपने जीवन की सार्थक दिशा तलाशने का प्रयास करते हैं।

तकनीक ने बदला रूप: हालिया वर्षों में डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से भी लोग किताबों तक पहुंचने लगे हैं। पुस्तकों का यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी हर आयुवर्ग में तेजी से पॉपुलर हो रहा है। असल में डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा डेटाबेस है, जहां पुस्तकें, थीसिस, विभिन्न विषयों से जुड़ी ऑडियो, वीडियो एवं दूसरी शैक्षिक सामग्री डिजिटल रूप में संग्रहित की जाने लगी है। इंटरनेट की मदद से इस इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट को कंप्यूटर, टैबलेट या स्मार्टफोन के माध्यम से कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। हमारे यहां नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय खूब चर्चित हो रहे हैं। सबसे अहम यह है कि यह सब सामग्री हर समय आपके पास होती है। नई पीढ़ी के बच्चों को डिजिटल दुनिया के पुस्तकालय खूब लुभा रहे हैं। वास्तविक हो या वर्चुअल, किताबों से जोड़ने वाले ये ठिकाने आज भी अपनी अहमियत बनाए हुए हैं। *

लघुकथा / संजीव ठाकुर

फैशन

ड्राइवर हमारे घर आते-आते भीग गया था। उसने अपने घर से फोन किया था कि बारिश हो रही है, वह थोड़ी देर से आएगा। मैंने कहा था, 'कोई बात नहीं, लेकिन आना जरूर। हम तैयार बैठे हैं, जाना जरूरी है।' मैंने उसे एक अतिरिक्त ड्रेस भी साथ रख लेने की सलाह भी दी थी। वह खाली हाथ आया था! अतिरिक्त ड्रेस साथ रखना उसे अपनी शान के खिलाफ लगा होगा। उसकी गीली कमीज को देखकर मैंने पूछा, 'इसी तरह जाओगे? मैंने तो तुम्हें कहा था!' 'चला जाऊंगा। रास्ते में सूख जाएगी!' उसने जवाब दिया। अचानक मेरे मन में आया कि मेरे पास जो टी-शर्ट रखी है, किसी की दी हुई, जिसका रंग मुझे पसंद नहीं है, किसी को देनी ही है, इसी को दे देता हूं!

मैं उसे गेट पर रुकने को बोलकर कमरे के अंदर चला गया, टी-शर्ट निकाल लाया। मैंने कहा, 'इसे पहन लो, नई है।' उसने अपनी गीली कमीज उतार कर टी-शर्ट पहन ली लेकिन पहनते ही बोला, 'ढीली है!' मैंने कहा, 'ढीली ही है न, गीली तो नहीं? ये देखो, मैंने भी ढीली कमीज ही पहन रखी है।'

मुझे लगा कि उसे ढीली की जगह अपनी गीली



कमीज पहनने का ही मन था लेकिन फिर भी वह ढीली पहनकर ही गाड़ी में बैठ गया।

करीब एक सौ बीस किलोमीटर की यात्रा कर हमें अपनी बेटी के इंस्टीट्यूट में जाना था। बीच रास्ते में हम चाय के लिए रुके। चाय पीते हुए हम पति-पत्नी ने गौर किया कि टी-शर्ट उस पर ठीक ही लग रही है। लेकिन उसके मन में क्या चल रहा है, यह हम नहीं समझ पाए। यह हम तब समझ पाए, जब बेटी के इंस्टीट्यूट पहुंचे और गाड़ी रोकते ही उसने त्वरित गति से पॉलीथीन से अपनी आधी गीली कमीज निकालकर पहन ली और टी-शर्ट उसी पॉलीथीन में पैक कर दी! *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

पत्नी केंद्रित कहानियां

वरिष्ठ कथाकार नवनीत मिश्र की पत्नी केंद्रित ग्यारह कहानियों का संग्रह 'बेटर हाफ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। ये कहानियां पत्नी के नजरिए से दांपत्य जीवन के अंतरे-कोने में झांकती हैं। ये कहानियां सवाल उठाती हैं कि अर्धांगिनी के रूप में आने के बाद भी स्त्री के प्रति पुरुष की मानसिकता प्रायः क्यों अपने पुरुषत्व से मुक्त नहीं हो पाती है? इस लिहाज से 'बेटर हाफ' और 'मकड़ा' कहानी को विशेष तौर पर पढ़ा जा सकता है। 'व्यक्तिगत डायरीः कृपया इसे न पढ़ें' स्त्रीत्व की अनुभूति की मार्मिक कथा है। 'रिश्ते' कहानी में पुरुष से स्वयं अलग होने



का निर्णय लेने वाली एक स्त्री के द्वारा उठाया गया सवाल, झकझोर देता है। संग्रह की लगभग हर कहानी में अलग-अलग नजरिए से बिना शोर मचाए स्त्री विमर्श अभिव्यक्त हुआ है। भाषा की रवानगी और शिल्प की चुंबकीय बुनावट ने इन कहानियों में गजब की पठनीयता उत्पन्न कर दी है। *

पुस्तकः बेटर हाफ (कहानी संग्रह),
लेखकः नवनीत मिश्र, **मूल्यः** 450 रुपए,
प्रकाशकः भावना प्रकाशन, दिल्ली

व्यंग्य
भूपेंद्र भारतीय

क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

क्षेत्र की खुशी के लिए!

पिछले दिनों नेताजी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना करते हुए पवित्र नदी में डुबकी लगाने गए थे। क्षेत्र की खुशहाली के लिए अच्छे से डुबकी लगाई व खुद के मन की शांति के लिए स्नान भी किया। अपना नहीं, दूसरों का भला हो, ऐसा सोचने वाले अब कम ही लोग मिलते हैं। वह भी राजनीति के क्षेत्र में! लेकिन हमारे नेताजी क्षेत्र के बारे में बहुत सोचते हैं। उनकी राजनीति, उनके क्षेत्र की खुशी में ही चल रही है। अपने क्षेत्र को खुश देखना उनकी राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वे क्षेत्र की खुशी में ही स्वयं की खुशी मानते हैं!

अपने क्षेत्र की खुशी के लिए दिन-रात क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं। दो तीन कारें उनके दौरे के लिए दौड़ती ही रहती हैं। क्षेत्र के विकास के लिए आई राशि से क्षेत्र का विकास भले ना हो लेकिन नेताजी उस राशि से स्वयं तीर्थ करके क्षेत्र की खुशी की कामना करना नहीं भूलते हैं। कैसे भी हो क्षेत्र की जनता खुश रहनी चाहिए। इसीलिए क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। कहीं किसी उपदेशक ने कोई कथा सुनानी शुरू की नहीं कि नेताजी उसके चरणों में क्षेत्र की खुशी के लिए दंडवत हो जाते। दंडवत होते हुए नेताजी के चेले उनका फोटो सोशल मीडिया पर झट से पोस्ट कर देते हैं। सोशल मीडिया पर भी क्षेत्र की जनता खुश हो जाती है। कामना हर ओर से चलती रहती है। कामना में कोई कमी नहीं रहने देते हैं।



क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है, तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, क्षेत्र में कार से घूमते हुए कोई मतदाता दिख गया तो उस मतदाता तक कार से उतरकर पैदल जाना इत्यादि ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि वे क्षेत्र की खुशी की कामना में सिर्फ पैदल ही चलते हैं बल्कि क्षेत्र की खुशी के लिए भूमि पूजन, उद्घाटन, दीप प्रज्ज्वलित करना, जनता को संबोधित करना, नए कार्यों का शुभारंभ करना, गरीब की झोपड़ी में जाकर भोजन करना इत्यादि कार्य उन्होंने प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल कर रखा है। कैसे भी करके क्षेत्र के लोगों को खुश होना चाहिए। क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। यदि क्षेत्र की खुशी की कामना में नेताजी के अकेले की दौड़भाग में कोई कमी पड़ने लगती है तो वे अपने घर व परिवार वालों को भी इसमें लगा देते हैं। कभी-कभी तो रिश्तेदारों तक को क्षेत्र की खुशहाली के लिए लगाना पड़ता है। इसमें कोई मुश्किल नहीं होती क्योंकि उनके दूर दूर के रिश्तेदार भी नेतागीरी में ही सक्रिय हैं।

क्षेत्र की जनता को व्यापार करने में परेशानी होती है तो नेताजी अपने घर में से पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई, भतीजे आदि को क्षेत्र की जनता के बीच रहकर व्यापार करने के लिए भी भेज देते हैं। अकसर ऐसे व्यापार में बड़ी चुनौतियां व झंझट होते हैं, इसलिए वे अपने परिवार तक को इसमें झोंक देते हैं। जनता को किसी संकट में नहीं डालते हैं। ऐसे व्यापार में शराब ठेके का लाइसेंस हो, रेत खनन, निजी स्कूल चलाना, सड़कें बनाना हो, सरकारी भूमि की तलाश करना इत्यादि जैसी गंभीर व्यापारिक चुनौतियों में भी बगैर झिझक के नेताजी स्वयं व अपने परिवार, नातेदारों को झोंक देते हैं।

जनता की खुशी में ही उनकी खुशी रहती है। किसी के मरने पर या फिर क्रियाकर्म में भी पहुंचकर नेताजी क्षेत्र की खुशी ही देखते हैं। वैसे वे मृत्युभोज के खिलाफ हैं, लेकिन उस आयोजन में जाते जरूर हैं, क्षेत्र की जनता की खुशी के लिए। और सोशल मीडिया पर स्वयं की छवि के प्रबंधन के लिए भी।

विवाह के आशीर्वाद समारोह में पहुंचकर क्षेत्र की खुशी के लिए आशीर्वाद लुटाते हैं। जब भी किसी आयोजन में होते हैं, अपने भाषणों में सबसे पहले क्षेत्र की खुशी की कामना से ही भाषण को दिशा देते हैं। विधानसभा व संसद की कार्यवाही में भाग लेने से ज्यादा उन्हें सड़कों पर धरना या आंदोलनों में क्षेत्र की खुशी दिखती हैं। उन्हें हर कदम पर क्षेत्र की खुशी की कामना ही दिखती है। विश्वविद्यालय की समितियों में अपने लोगों को फिट करना हो या फिर मंत्रालयों में अपने कार्यकर्ताओं को बैठाना हो, नेताजी ऐसे मामलों में भी क्षेत्र की खुशी की कामना का अवसर निकाल ही लेते हैं। ग्राम पंचायत के चुनाव से लेकर संसद की बहसों तक वे क्षेत्र की खुशी की तलाश में ही रहते हैं। सरकारी विदेश यात्राओं में भी वे पूरी तरह से क्षेत्र की खुशी का ध्यान रखते हैं। सच, जिस क्षेत्र में ऐसे नेता मौजूद हों तो वहां के लोगों को खुशी के मारे पागल होने से कोई नहीं बचा सकता। *

अमेरिका में 9/11 हमले के बाद दूसरी बार एयर इमरजेंसी

8000 फ्लाइट्स कैंसिल, 4 घंटे तक ठप रहीं हवाई सेवाएं

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका में एयर ट्रैफिक कंट्रोल के कम्युनिकेशन सिस्टम में खराबी के कारण शुक्रवार को 4 घंटे से ज्यादा समय तक विमानों की उड़ानें रोकनी पड़ीं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन, यानी एफएए ने सुरक्षा कारणों से देशभर के एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स रोकने का आदेश दिया था। इस दौरान 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और करीब 15 लाख यात्री प्रभावित हुए। शुक्रवार रात उड़ानों पर लगी रोक हटा दी गई, लेकिन शनिवार को भी बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले (9/11) के बाद यह दूसरी बार है, जब अमेरिका में सभी उड़ानें रोकी गईं। इससे पहले जनवरी 2023 में एफएए के मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में खराबी के कारण ऐसा हुआ था।

साइबर अटैक का संकेत नहीं

अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी मंत्री मार्कवेन मुलिन ने कहा कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में आई खराबी के पीछे फिलहाल किसी साइबर हमले के संकेत नहीं मिले हैं। व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में यह टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में आई तकनीकी खराबी लग रही है। हालांकि, अधिकारी अभी इसकी असली वजह का पता नहीं लगा पाए हैं। मुलिन ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो सकेगा कि कम्युनिकेशन सिस्टम में गड़बड़ी कैसे हुई।





कई दिनों तक रहेगा असर

अमेरिका के पूर्वी समयानुसार शुक्रवार रात करीब आठ बजकर 15 मिनट पर रोक हटने के बाद सीमित संख्या में घरेलू उड़ानें रवाना हुईं। हालांकि, इसका असर कई दिनों तक रह सकता है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि 'थैंक्सगिविंग' के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों के यात्रा करने तक व्यवस्था सामान्य हो जाएगी। अमेरिका में जनवरी 2023 के बाद यह पहली बार है जब देशभर में उड़ानें रोकी गईं। उस समय संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) की पायलटों को सूचनाएं भेजने वाली एक महत्वपूर्ण कंप्यूटर प्रणाली में खराबी आ गई थी। वहीं, 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के बाद यह दूसरा मौका है जब देशभर में उड़ानों पर रोक लगाई गई। अमेरिका के विभिन्न हवाई अड्डों पर यात्री उड़ानों में देरी की सूचना देने वाली स्क्रीन देखते रहे, जबकि कुछ लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए बसों और ट्रेनों की तलाश में जुट गए। कुछ यात्रियों ने गाने गाकर समय बिताया। सप्ताहांत में मैच खेलने वाली खेल टीमों को मैच शुरू होने का समय बदलना पड़ा।

जैकेट के शेष

कभी महीनेभर चलती ....

शुरुआती वर्षों में बजट सत्र लगभग डेढ़ महीने तक चलता था। इसमें 25 से 30 तक बैठकें होती थीं। शीतकालीन सत्र भी 10 से 12 बैठकों तक पहुंचता था। अब बजट सत्र की बैठकें घटकर 15 और शीतकालीन सत्र चार बैठकों तक सिमट गया है।

27 से 15 हुईं बजट सत्र की बैठकें : वर्ष 2011 में 17 फरवरी से 31 मार्च तक चले बजट सत्र में 27 बैठकें हुई थीं। इस दौरान सदन की कार्यवाही करीब 135 घंटे 36 मिनट चली। इसके मुकाबले वर्ष 2026 में 23 फरवरी से 20 मार्च तक आयोजित बजट सत्र में 15 बैठकें हुईं और करीब 108 घंटे चर्चा हुई। यानी 15 वर्षों में बैठकों की संख्या में लगभग 44 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि कुल कार्यवाही का समय करीब 20 प्रतिशत कम हुआ है। वर्ष 2012 में 20 और 2013 में 25 बैठकें हुईं। वर्ष 2015 में 17, 2016 में 20 और 2018 में 16 बैठकें हुईं। इसके बाद वर्ष 2022 में बैठकों की संख्या घटकर 10 रह गई। वर्ष 2023 में 14 बैठकें हुईं, जबकि 2024 और 2025 में 17-17 बैठकें आयोजित की गईं। वर्ष 2026 में फिर यह संख्या घटकर 15 हो गई। यानी बीच के वर्षों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबे समय में बजट सत्र की बैठकें कम हुई हैं।**कोरोना में पहली बार गिलोटिन से पारित हुआ बजट** : विधानसभा के कामकाज पर कोरोना महामारी का भी असर पड़ा। वर्ष 2020 में निर्धारित अवधि से पहले बजट सत्र समाप्त करना पड़ा। उस समय उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों में विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा कराए बिना गिलोटिन के जरिए बजट पारित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में इसे राज्य गठन के बाद पहली ऐसी घटना बताया था। यानी पहली बार विभागवार खर्च के प्रस्तावों पर सदन में चर्चा किए बिना बजट को स्वीकृति दी गई। वर्ष 2021 में भी बजट सत्र निर्धारित अवधि से पहले समाप्त हुआ। उस वर्ष 12 बैठकों के बाद 9 मार्च को ही सत्र का समापन कर दिया गया, जबकि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इसे 26 मार्च तक चलना था। इस तरह कोरोना काल में लगातार दो वर्षों तक बजट सत्र की अवधि प्रभावित हुई। हालांकि, 2020 और 2021 की परिस्थितियां असाधारण थीं, इसलिए उस अवधि को सामान्य संसदीय कामकाज के वर्षों से अलग रखकर देखना भी जरूरी है।

छोटे सत्रों में विधायी जांच की चुनौती : विधानसभा का सत्र केवल विधेयक पारित करने या सरकारी कामकाज निपटाने का मंच नहीं है। यह वह जगह है जहां विधायक अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाते हैं, विपक्ष सरकार से जवाब मांगता है और विभागों के खर्च तथा नीतिगत फैसलों की समीक्षा होती है। ऐसे में सत्र की अवधि के साथ यह देखना भी जरूरी है कि प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण, स्थगन प्रस्ताव, अनुदान मांगों और विधेयकों पर चर्चा के लिए कितना समय उपलब्ध कराया जा रहा है। घटते बैठक दिवसों के बीच यही सवाल विधानसभा की कार्यप्रणाली और जवाबदेही को लेकर महत्वपूर्ण हो जाता है।

2. शीतकालीन सत्र: बैठकें

वर्ष	बैठकें	वर्ष	बैठकें
2012	7,	2023	3,
2024	4,	2025	5,
2026	4		

शीत सत्र में ....

शीतकालीन सत्र में तीन बैठकें हुईं। वर्ष 2024 में चार और 2025 में पांच बैठकें हुईं। इस बार दिसंबर में प्रस्तावित शीतकालीन सत्र में चार बैठकें निर्धारित हैं। शुरुआती वर्षों के मुकाबले अब शीत सत्र में चर्चा और विधायी कामकाज के लिए उपलब्ध समय काफी कम रह गया है। विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव देवेंद्र वर्मा बताते हैं कि राज्य निर्माण के बाद के वर्षों में बजट सत्र लगभग एक माह तक चलता था। पावस और शीतकालीन सत्र भी 10 से 15 दिनों तक बुलाए जाते थे। पिछले कुछ वर्षों में सत्रों की अवधि में कमी आई है।

सदन में सवालों ....

244 स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं भी प्राप्त हुईं। इसके अलावा शून्यकाल की 137 सूचनाएं आईं। हालांकि, 14 बैठकों में सदन के भीतर केवल 86 प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। वित्तीय कामकाज के दौरान वर्ष 2026-27 के बजट पर सामान्य चर्चा के लिए 9 घंटे 58 मिनट, अनुदान मांगों पर 47 घंटे 4 मिनट और विनियोग विधेयक पर 6 घंटे 49 मिनट खर्च हुए। इससे स्पष्ट है कि कम बैठकों के बावजूद बजट पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय निर्धारित किया गया था। लेकिन बड़ी संख्या में प्राप्त प्रश्नों और सूचनाओं के मुकाबले सदन में उठाए जा सकने वाले मुद्दों की संख्या सीमित रहती है।

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

हरिभूमि-आईएनएच की ....

को ठिकाने तक पहुंचाने के लिए ठेले में लोड किया जा रहा था। कार्रवाई करते हुए संदेह के आधार पर उसे सीज कर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कार्यालय तक लाया गया। जांच के दौरान डेढ़ सौ किलो पनीर लूज (खुली पन्नी) में था जबकि डेढ़ सौ किलो पनीर 5-5 किलो के पैकेट में था। पैकेट में भोज मीडियम फैट का लेबल अंकित था जिसकी बड़ी गड़बड़ी मैन्युफैक्चरिंग डेट 25 नवबंर यानी दस दिन बाद का था। पनीर को संदिग्ध माना गया और उसे नगर-निगम की गाड़ी बुलाकर सीधे नष्ट करा दिया गया। **कम नहीं हो रही उपलब्धता** : एनालॉग पनीर बैन होने और मिल्क मेड पनीर का मात्रा सीमित होने के बाद भी प्रदेश में इसकी उपलब्धता कम होने का नाम नहीं ले रही है। बड़े से लेकर छोटे होटल, रेस्टोरेंट के साथ स्ट्रीट वेंडरों के पास भी पनीर से संबंधित उत्पाद आसानी से मिल रहे हैं। इस बात की आशंका बनी हुई है कि उन राज्यों से पनीर की सप्लाई लगातार हो रही है जहां इसके निर्माण और बिक्री पर बैन नहीं है।

प्रतिबंध के बाद भी सप्लाई छत्तीसगढ़ में : एनालॉग (नकली पनीर) हर प्रकार से प्रतिबंधित है। मध्यप्रदेश महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में बन रहा है। इसके बावजूद तेल, फैट, सस्ता पाम आयल दूध पाउडर से बनने वाला एनालॉग बड़ी मात्रा में बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ समेत ओडिशा में सप्लाई किया जा रहा है।

आज से धान खरीदी का ....

रहा है। खरीदी प्रक्रिया में किसानों के पंजीयन और ऑनलाइन टोकन व्यवस्था को भी महत्वपूर्ण बनाया गया है। राज्य में इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से धान खरीदी का लक्ष्य है। किसानों को समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना की सहायता मिलाकर 3100 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से लाभ देने की व्यवस्था की गई है। कॉमन धान का समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। केंद्रों में बारदाना, इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरण, भंडारण और परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए डिजिटल टोकन व्यवस्था लागू की गई है। अब तक 3,50,972 टोकन पंजीकृत हो चुके हैं। रविवार को प्रदेश के 1584 खरीदी केंद्रों में धान बिक्री के लिए किसानों को 6054 टोकन जारी किए गए हैं। प्रदेश में खरीदी के लिए 360 नए केंद्रों को मंजूरी मिलने के बाद कुल केंद्रों की संख्या बढ़कर 3,100 हो गई है। खरीदी 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक प्रस्तावित है। किसानों को ऑनलाइन माध्यम से 70 प्रतिशत और समितियों के जरिए 30 प्रतिशत टोकन देने की व्यवस्था रखी गई है।

2023 से अब तक 35904 ....

90 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसमें खरीफ 2023 के लिए 13 हजार 289 करोड़ रुपये, खरीफ 2024 के लिए 11 हजार 976 करोड़ रुपये तथा खरीफ 2025 के लिए 10 हजार 639 करोड़ रुपये शामिल हैं। राज्य सरकार की धान खरीदी नीति में किसानों की सुविधा, समयबद्ध उपार्जन, पारदर्शी व्यवस्था और आर्थिक सुरक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की एक समान आदान सहायता का प्रावधान विशेष रूप से उन किसानों के लिए उपयोगी होगा, जिनकी वास्तविक उपज निर्धारित अधिकतम खरीदी सीमा से कम रहती है। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के संबंध में अधिक सुविधा और आर्थिक सहायता की निश्चितता मिलेगी।

27 समाज प्रमुखों .....

और जनजाति गौरव दिवस के कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां से 12 बजे लौटेंगे और रायगढ़ से 12.15 बजे विशेष विमान से पटना जाएंगे। धरमजयगढ़ के कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ ही पूरी सरकार रहेगी। इसी के साथ प्रदेश के सांसद, विधायक और भाजपा के पदाधिकारी भी रहेंगे। भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू भी कार्यक्रम में रहेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन तय कार्यक्रम के मुताबिक सुबह करीब दस बजे विशेष विमान से रायगढ़ के विमानतल पहुंचेंगे। उनके साथ भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी भी आएंगी। रायगढ़ से हेलीकाप्टर द्वारा वे धरमजयगढ़ के कार्यक्रम जाएंगे। इसके बाद वे 12.15 बजे पटना के लिए उड़ान भरेंगे। रविवार को छठ का कार्यक्रम होने के कारण वे अपने राज्य के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। **आयोजन में रहेगी पूरी सरकार** : धरमजयगढ़ के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव रविवार की सुबह को रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा के साथ ही जनजाति समाज के मंत्री केदार कश्यप, रामविचार नेताम, रायगढ़ जिले के मंत्री ओपी चौधरी सहित सभी मंत्री शामिल होंगे। कार्यक्रम में जनजाति समाज से जुड़े सभी जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

ऐतिहासिक होगा ....

कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र से अधिक-से-अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं एवं आमजन को साथ लेकर धरमजयगढ़ पहुंचें और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएं।

14000 एकड़ जमीन ....

जमीन होने के बाद भी सरकारी नीतियों और नियमों के चलते ये संस्थाएं सीधे उपार्जन केंद्रों में अपना धान विक्रय करने से वंचित हैं। सरकारी नियमों के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान बेचने की पात्रता केवल व्यक्तिगत किसानों को ही दी गई है। यही वजह है कि प्रदेशभर की धार्मिक और सामाजिक संस्थाएं, ट्रस्ट तथा मंदिर-मठ अपनी कृषि भूमि को स्थानीय किसानों को लीज यानी रेगहा पर देने को मजबूर हैं, जब कोई किसान इन संस्थाओं की जमीन को रेगहा पर लेता है, तो वह अपने नाम से

पेज एक के शेष

सरकारी स्कूलों में ...

क्या है, इसका उपयोग कैसे किया जाता है और इसके जरिए फोटो, म्यूजिक, डॉक्यूमेंट तथा वेबसाइट तैयार करने जैसी बुनियादी जानकारियां दी जाएंगी। साथ ही एआई के नैतिक उपयोग (एआई एथिक्स) के बारे में भी बताया जाएगा। इसी तरह कक्षा 9वीं और 10वीं में एआई की मूल अवधारणाओं, मशीन लर्निंग, एआई प्रोग्रामिंग के परिचय और मिनी प्रोजेक्ट पर जोर रहेगा। वहीं कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को एआई के लिए गणित एवं सांख्यिकी, एआई लाइब्रेरी, डेटा सिक्योरिटी और प्राइवेसी जैसे विषय पढ़ाए जाने का प्रस्ताव है।

महादेव सट्टा एप के ...

ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर की गई। उसे 1 नवंबर 2026 को ओमान से भारत लाया गया था। इसके बाद सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर रायपुर की विशेष अदालत से 8 दिन की पुलिस रिमांड ली थी। पूछताछ में ऐप चलाने के तरीके और देशभर में फैले पैनल ऑपरेटरों के नेटवर्क की सीबीआई को जानकारी मिली। **विदेश में बैठे लोगों की भूमिका की पड़ताल**: केंद्रीय जांच एजेंसी अब अपनी जांच विदेश में बैठे अन्य आरोपियों, सट्टा नेटवर्क चलाने में मदद करने वालों और संबंधित सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। फरार आरोपियों को भारत लाने के लिए दूसरे देशों से कानूनी प्रक्रिया भी जारी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने लोगों को चेताया है कि ऑनलाइन सट्टा और जुआ गैरकानूनी है। किसी दूसरे व्यक्ति को सट्टेबाजी के लिए अपना बैंक खाता, सिम कार्ड या पहचान से जुड़े दस्तावेज देना भी अपराध है। ऐसा करने पर खाताधारक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

रायपुर का युवक भी ...

पीड़ित के परिजनों के अनुसार झूठे ड्रग प्रकरण में जेल में बंद टिकेश्वर पर रशियन पुलिस सजा से बचने यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना की ओर से लड़ने का दबाव बना रही है। टिकेश्वर को टेलीग्राम के जरिए नौकरी का प्रस्ताव मिला था। टिकेश्वर 16 सितंबर तक अपने परिजनों के संपर्क में था। इसके बाद से उसका परिवार के साथ किसी तरह से संपर्क नहीं हुआ। परिजनों को उसके गिरफ्तार होने की जानकारी एक माह बाद मिली। **वकील से मिलने से रोकने जेल बदल रहे** : टिकेश्वर से मिलने उनका वकील तीसरी कोशिश में सफल हो पाया। वकील जब भी जेल जाता, टिकेश्वर को दूसरी जेल में शिफ्ट कर दिया जाता था। रूस में वकील सुनवाई के अनुसार भारतीय मुद्रा में 50 से 60 हजार रुपए फीस लेते हैं। परिजन अब तक डेढ़ लाख रुपए से ज्यादा की राशि खर्च कर चुके हैं। **दूतावास ने दी डिटेन होने की जानकारी** : टिकेश्वर की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने पर परिजनों ने इंडियन एंबेसी से संपर्क किया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि इंडियन एंबेसी से उन्हें जिस तरह से मदद मिलनी चाहिए थी, उस तरह की उन्हें मदद नहीं मिल रही। कुछ दिन पूर्व भारतीय दूतावास ने मेल के जरिए टिकेश्वर के डिटेन होने की जानकारी उनके परिजनों को दी है। टिकेश्वर की दो बेटियां हैं, एक 14 तथा दूसरी चार साल की है। पीड़ित रायपुर में एक निजी कंपनी में पूर्व में मैनेजर के पद पर कार्य करता था। **पुलिस बोली सीआईडी के माध्यम से भेजी जा रही जानकारी** : इस संबंध में पुलिस कमिश्नरेट के अफसरों से संपर्क किया गया, तो अफसरों ने बताया कि उन्हें टिकेश्वर के रूस में डिटेन करने की जानकारी मिली है। इसके बाद इसकी जानकारी सीआईडी के माध्यम से केंद्रीय गृहमंत्रालय को भेजी जाएगी। परिजनों ने राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा गृहमंत्री विजय शर्मा से भी मदद की गुहार लगाई है। **इसी नेचर की राज्य में दूसरी घटना** : बिलासपुर निवासी विनीत कुमार दुबे अक्टूबर की शुरुआत में रूस गए थे, जहां उन्हें कथित तौर पर हिरासत में लिया गया और सेना में शामिल होने के लिए यातनाएं दी गईं। दोनों मामलों में रूस में नौकरी के लिए जाने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उन्हें कथित तौर पर सैन्य सेवा में शामिल होने के लिए मजबूर किए जाने की यह दूसरी घटना है। विनीत को भी ड्रग के झूठे केस में फंसाया गया है।

सरकारी पोर्टल पर पंजीयन कराता है और इसके बाद ही समर्थन मूल्य पर धान बेच पाता है। इस पूरी प्रक्रिया में राज्य सरकार द्वारा धान की समर्थन मूल्य राशि के साथ-साथ अंतर या बोनस की पूरी रकम सीधे संबंधित रेगहादार किसान के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है। दूसरी ओर भूमि की वास्तविक मालिक होने के बावजूद संबंधित ट्रस्ट या मंदिर समिति को केवल उस तयशुदा समझौते की राशि ही प्राप्त हो पाती है, जो खेती शुरू होने से पहले किसान के साथ रेगहा के दौरान तय की गई थी। प्रदेश में कई ऐतिहासिक और बड़े ट्रस्ट व मठ मौजूद हैं। जिनके पास सैकड़ों एकड़ जमीन है। इनमें जांजगीर-चांपा जिले का प्रसिद्ध शिवरीनारायण मठ, रायपुर के दूधाधारी मठ और राजनांदगांव की ऐतिहासिक राजगामी संपदा न्यास और गौशाला पिंजरापोल जैसी बड़ी संस्थाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। **इस साल पौने तीन सौ संस्थाएं पंजीकृत** : पंजीयन आंकड़ों के मुताबिक रायपुर जिले में सर्वाधिक 275 संस्थाएं पंजीकृत हैं, जिनके पास 3,738 एकड़ कृषि भूमि दर्ज है। इसके अलावा बलौदाबाजार में 60 संस्थाओं के पास 3,280 एकड़, गरियाबंद में 97 संस्थाओं के पास 1,148 एकड़, महासमुंद में 86 संस्थाओं के पास 1,131 एकड़, जांजगीर-चांपा में 23 संस्थाओं के पास 740 एकड़ और राजनांदगांव में 20 संस्थाओं के पास 704 एकड़ कृषि रकबा दर्ज है।

पात्रता दिए जाने....

जा सकेगा। अब प्रदेशभर से यह मांग उठने लगी है कि किसानों की तर्ज पर इन पंजीकृत संस्थाओं और ट्रस्टों को भी सीधे धान खरीदी व्यवस्था से जोड़ा जाए।

कार्यालय नगर पंचायत थानखम्हरिया, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)
Email ID cmothankhamhariya@gmail.com

क्र./1166/लो.नि.वि./न.पं.ख./2026-27 थानखम्हरिया, दिनांक 13.11.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

Main Portal : http//eproc.cgstate.gov.in

नगर पंचायत थानखम्हरिया में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in NAGAR PANCHAYAT, THANKHAMARIYA under SBM 2.0 हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

System Tender No.	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
203885	208.99	150000.00	13.11.2026 After 17:00	04.12.2026 Before 17:00	08.12.2026 Before 17:00	10.12.2026 After 12:00

टीप :- (1) उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल Main Portal : http//eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (2) विज्ञापन की प्रति http//uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत थानखम्हरिया

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भाखल-490001

सार्वजनिक सूचना (PUBLIC NOTICE)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दाधापारा निजी रेल्वे साइडिंग लाइन क्रं.01, हिरीं डोलोमाईट खदान, भिलाई इस्पात संयंत्र, सेल(भारत सरकार का उपक्रम) जिसका साइडिंग कोड HSLH है और जो दाधापारा रेलवे स्टेशन के पास, रायपुर मंडल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के अंतर्गत स्थित है।

उक्त रेलवे साइडिंग को अन्य इच्छुक सह-उपयोगकर्ताओं (Co-users) को नियमानुसार उपयोग हेतु EOI (Expression of Interest) float कर रहे हैं।

अतः जो भी कंपनियां, फर्म या व्यापारी इस साइडिंग का उपयोग को-यूज़र के रूप में करना चाहते हैं, वे इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवसों के भीतर अपने विस्तृत प्रस्ताव, आवश्यक दस्तावेज़ और व्यापारिक विवरण के साथ SAIL web site www.sailtenders.co.in पर आवेदन प्रस्तुत करे।

अधिक जानकारी एवं नियम व शर्तें हेतु :

SAIL website – www.sailtenders.co.in पर विजिट करे।

विज्ञापन क्र -बीएसपी-18/26-27/दिनांक : 14/11/2026

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : L27109DL1973GOI006454.Website: www.sail.co.in

हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल



AN AFFIDAVIT FOR CHANGE OF NAME OF DEPENDENTS (ADDITION / CHANGE/AMENDMENT IN MAIN (FIRST) AND MIDDLE NAME)

1. I, IC/Army No.- 15768346F Rank HAV Name- Tulasee Ram Sahu, Resident of Village-Chinwari, Post-Sirri, Tehsil- Kurud, Distric-Dhamtari (Chhattisgarh) do hereby solemnly affirm and declare as under :-
(a) That I want to change name of my spouse/dependent from CHANDRA PRABHA to CHANDRA PRABHA SAHU His date of birth is 23 March 1985
(b) That I want to change name of my spouse/dependent from AYUSH KUMAR HIRWANI to AYUSH KUMAR SAHU
(c) I am enclosing copy of Aadhar Card and Pan Card self attested as proof.
(d) News Paper cuttings of two national dailies.

Date:
Place:
(singnature)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्रम.सं. (1) ई-निविदा संख्याः- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-181-26-27, दिनांकः 05.11.2026
कार्यः बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता/पूर्व/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत मौजूदा घिसी-पीटी 90आर/52 किग्रा/60 किग्रा टंग रेल, एसईजे एवं एमसीआई इंसर्ट की रीकंडीशनिंग का कार्य। निविदा मूल्य (रू): 1,95,15,506/-, अमानत राशि (रू): 3,90,300/-, कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह.

क्रम.सं. (2) ई-निविदा संख्याः- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-182-26-27, दिनांकः 05.11.2026
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता/चाम्पा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बालपुर में अप लूप लाइन CAL-750 मीटर) का निर्माण। निविदा मूल्य (रू): 7,36,89,623/-, अमानत राशि (रू): 14,73,800/-, कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह.
निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः- दिनांकः 24.11.2026 से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः- दिनांकः 08.12.2026 के 11:00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/487 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
स्टोर्स आइटम्स की आपूर्ति हेतु निविदा सूचना
ई- निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/26/50, दिनांक 11.11.2026.

क्र. सं.	टेन्डर संख्या	विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि	मात्रा
1.	03261344B	बोलस्टर स्प्रिंग आउटर फॉर बॉक्सएन एचएस वैगन टू आरडीएसओ ड्राईंग नं. डब्ल्यूडी–92058–एस–5, एल्ट.–14	03.12.2026	5228 नग
2.	02255009	आईजीबीटी बेस्ड 3–फेज ड्राईव प्रोपुल्सन ईक्विपमेंट	11.12.2026	13 सेट
3.	06260078B	एचव्हीएन–66 इंसुलेटिंग लाईनर फॉर युज विथ वाईडर पीएससी स्लीपर टू ड्राईंग नं. आरडीएसओ/ टी–8746 सुईटेबल फॉर 60केजी (यूआईसी)/60ई1 एण्ड 52 केजी रेल्स	29.12.2026	459999 सेट
4.	06265093A	डिजाईग्न, मेनुफेक्चर, सप्लाई, ईस्ट लेशन, कमिसनिंग एण्ड ट्रेनिंग ऑफ डेस्कटॉप सिमुलेटर कान्तोल फॉर थ्री फेज ईलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स ऑन टर्नकि

Vacancy Notice No. CRCL/HR/VC/26-27/01/1106 and CRCL/HR/VC/26-27/02/1107 dated 12.11.2026

Chhattisgarh Railway Corporation Limited (CRCL), a joint venture of Ministry of Railways (MOR) and Government of Chhattisgarh invites applications from qualified and experienced candidates purely on temporary and Contractual basis for the following posts:

1. Advisor/Consultant-Forest (One Post).
2. Advisor/Consultant-Revenue (One Post)

Last Date of Submission of application: 23/11/2026, 05:00 PM
Details available at the following website:-
http:// https://cgstate.gov.in
S- 49785/1

CHHATTISGARH SWAMI VIVEKANAND TECHNICAL UNIVERSITY, BHILAI (C.G.)
Newai, P.O. Newai, Bhilai, Distt. Durg (Chhattisgarh) - 491107
Ph. No.:0788-2200062, Website: www.csvtu.ac.in, Email:-registrar@csvtu.ac.in

Ref. No. CSVTU/Advt/2026/R-01 Date: 13/11/2026

ADVERTISEMENT

Online Applications are invited from prospective & eligible candidates for the post of Professor & Associate Professor in University Teaching Department Chhattisgarh Swami Vivekanand Technical University, Bhilai in the Department of Computer Science and Engineering on regular basis.

1. Applications in the prescribed format should be submitted online through the portal available in CSVTU website(www.csvtu.ac.in) From 18/11/2026, 11:00 a.m to 19/12/2026, 05:30 p.m.
2. Information about Online application process, Vacant positions, Essential qualifications, Experience, Age limit, Detail schedule and other details are available in University web site www.csvtu.ac.in
3. Non-Refundable Fee- Rs. 5000/-(Rs. 3000/- for SC/ST/Pwd Domiciled in Chhattisgarh), will be charged to applicants.
4. Reservation and Relaxation will be given as per Chhattisgarh State Government Rules to all the persons belonging to different categories.
5. Any change or amendment in this advertisement shall be displayed on the university website only, therefore the aspiring candidates are advised to visit University website regularly and remain updated.
6. With reference to the letter of General Administration Department Government of Chhattisgarh, No. एफ 13-1/2023/आ.प्र./1-3, नवा रायपुर दिनांक 03/05/2023 this recruitment will be subject to the final outcome of proceedings of Honorable Supreme Court New Delhi S.L.P(C) No.19668/2022.

S-49784/2 REGISTRAR

हर 3 साल में म्यूचुअल फंड स्कीम बदलना समझदारी या बड़ी गलती

● सिर्फ पिछले एक या तीन साल के रिटर्न को देखकर फंड बदलने से बचें ● रोलिंग रिटर्न बताता है बाजार के अलग-अलग दौर में स्कीम का प्रदर्शन ● जल्दबाजी में स्विच करने से कंपाउंडिंग, टैक्स और अतिरिक्त शुल्क पर असर

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग एक आम गलती करते हैं। वे हर दो-तीन साल में अपना पोर्टफोलियो देखते हैं और जिस स्कीम का रिटर्न कम दिखाई देता है, उसे बेचकर उस फंड में पैसा लगा देते हैं जिसने हाल के वर्षों में बेहतर प्रदर्शन किया हो। पहली नजर में यह फैसला समझदारी भरा लग सकता है, लेकिन बार-बार फंड बदलने की यह आदत लंबे समय में निवेश के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। इसकी वजह है बाजार के प्रदर्शन को समझने में जल्दबाजी, स्विच करने का खर्च और कंपाउंडिंग पर पड़ने वाला असर। निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि किसी म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न उसके भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। बाजार में तेजी के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम अगले कुछ वर्षों में कमजोर भी रह सकती है। इसी तरह किसी फंड का एक-दो साल तक पीछे रहना यह साबित नहीं करता कि उसकी निवेश रणनीति खराब हो गई है। इसलिए केवल एक निश्चित अवधि के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेने के बजाय फंड के प्रदर्शन की निरंतरता देखना जरूरी है।



इक्विटी और डेट फंड के कर नियम अलग हो सकते हैं। निवेश की अवधि और निकासी की तारीख के आधार पर भी कर देनदारी बदलती है। इसलिए हर तीन साल में फंड बदलने से पहले एग्जिट लोड और टैक्स की गणना जरूर कर लें। केवल सकल रिटर्न की तुलना करना पर्याप्त नहीं है।

बार-बार फंड बदलने से कैसे घट सकता है मुनाफा?

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है और इसे 15 साल तक जारी रखता है। इस दौरान उसका कुल निवेश 27 लाख रुपये होगा। यदि निवेश को लंबे समय तक बनाए रखा जाए और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिले, तो दिए गए उदाहरण के अनुसार फंड की सकल कीमत करीब 71.39 लाख रुपये हो सकती है। दूसरी स्थिति में निवेशक हर तीन साल में फंड बदलता है। इस दौरान फंड बेचने और नई स्कीम में निवेश करने के बीच का अंतर, बाजार की टाइमिंग और संभावित शुल्क उसके नतीजे को प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण में बार-बार स्विच करने की स्थिति में सकल फंड मूल्य करीब 66.42 लाख रुपये माना गया है। दोनों स्थितियों में लगभग 4.97 लाख रुपये का अंतर दिखाई देता है। म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने या एक स्कीम से दूसरी में जाने पर एग्जिट लोड लग सकता है। इसकी दर और अवधि संबंधित स्कीम के नियमों पर निर्भर करती है। इसके अलावा, यूनिट बेचने पर होने वाले लाभ पर लागू कर भी निवेश के अंतिम मूल्य को प्रभावित करता है।

ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न में क्या है अंतर

फंड का प्रदर्शन जांचने के लिए आमतौर पर ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न दो तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। ट्रेलिंग रिटर्न किसी एक तारीख से पीछे की ओर एक निश्चित अवधि का प्रदर्शन बताता है। उदाहरण के लिए, आज से पिछले तीन साल में किसी फंड ने कितना सालाना रिटर्न दिया, यह उसका तीन साल का ट्रेलिंग रिटर्न होगा। इसमें केवल दो तारीखों के बीच का प्रदर्शन शामिल होता है। इसलिए बाजार की तेजी या गिरावट का उस पर काफी असर पड़ सकता है। इसके विपरीत, रोलिंग रिटर्न अलग-अलग तारीखों से शुरू होने वाली समान निवेश अवधियों का प्रदर्शन दिखाता है। मान लीजिए किसी फंड का तीन साल का रोलिंग रिटर्न देखना है। इसके लिए अलग-अलग तारीखों पर निवेश शुरू करके अगले तीन साल के रिटर्न की गणना की जाती है। इससे पता चलता है कि बाजार के अलग-अलग दौर में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया। निवेशक यह समझ पाते हैं कि स्कीम ने केवल किसी एक अनुकूल अवधि में अच्छा रिटर्न दिया है या अलग-अलग परिस्थितियों में भी प्रदर्शन की निरंतरता बनाए रखी है।

तीन निवेशकों का उदाहरण समझिए

मान लीजिए तीन दोस्तों ने एक ही म्यूचुअल फंड में अलग-अलग वर्षों में निवेश किया। पहले दोस्त ने जनवरी 2021 में निवेश किया और जनवरी 2024 में पैसा निकाला। उसे सालाना 15 प्रतिशत रिटर्न मिला। दूसरे ने जनवरी 2022 में निवेश किया और जनवरी 2025 में निकासी की। बाजार की परिस्थितियों के कारण उसका रिटर्न 10 प्रतिशत रहा। तीसरे दोस्त ने जनवरी 2023 में निवेश शुरू किया और जनवरी 2026 में पैसा निकाला। उसे 14 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिला। तीनों अवधियों के रिटर्न का साधारण औसत करीब 13 प्रतिशत बैठता है। यह उदाहरण बताता है कि अलग-अलग समय पर निवेश करने वालों को एक ही फंड से अलग नतीजे मिल सकते हैं। हालांकि, वास्तविक रोलिंग रिटर्न का आकलन केवल तीन अवधियों का औसत निकालकर नहीं किया जाता।

कब बदलना चाहिए म्यूचुअल फंड?

फंड बदलने का फैसला केवल इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि किसी दूसरी स्कीम ने पिछले एक साल, तीन साल या हाल की अवधि में उससे अधिक रिटर्न दिया है। म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय छोटी अवधि के उतार-चढ़ाव और रिटर्न की तुलना के बजाय फंड के लगातार प्रदर्शन और उसकी निवेश रणनीति को समझना ज्यादा जरूरी है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि संबंधित फंड लगातार अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी की दूसरी स्कीमों के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन तो नहीं कर रहा है। यदि ऐसा है तो यह भी समझना जरूरी है कि इसके पीछे बाजार की परिस्थितियां हैं या फंड प्रबंधन की रणनीति में कोई कमी है। क्या फंड मैनेजर बदला है? क्या निवेश की रणनीति, पोर्टफोलियो या प्रमुख कंपनियों में हिस्सेदारी में बड़ा बदलाव आया है? इसके अलावा यह भी जांचना चाहिए कि फंड का जोखिम स्तर आपकी वित्तीय जरूरतों, निवेश के उद्देश्य और निवेश अवधि के अनुरूप है या नहीं।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

एजूकेशन स्पेशल

राजीव लोचन आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल चंदखुरी, दुर्ग (छ.ग.)
आयुर्वेद पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश सूचना सत्र 2026-27
छत्तीसगढ़ शासन चिकित्सा शिक्षा (आयुष) द्वारा मंत्रालय द्वारा अनुमति तथा छत्तीसगढ़ सह- चिकित्सा परिषद छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एक वर्षीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।
क्र. पाठ्यक्रम - सीटों की संख्या
1. फार्मासिस्ट आयुर्वेद - 30
2. पंचकर्म सहायक - 30
योग्यता:- 10+2 प्रणाली की बायोलॉजी विषय के साथ छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण आवेदन शुल्क 1000/- रू. का बैंक ड्राफ्ट/नगद के साथ अंतिम तिथि 28.11.2026 तक सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ महाविद्यालय के पते पर डाक द्वारा/सीधे कार्यालयीन अवधि में आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं।
1. शासकीय/निजी संस्थान में नियुक्ति हेतु मान्य 2. छत्तीसगढ़ शासन पैरामेडिकल कांउसिल द्वारा पंजीयन 3. छ.ग. राज्य आयुर्वेद सह चिकित्सकीय पाठ्यक्रम की निजी एकमात्र मान्यता प्राप्त संस्थान
टीप:- विस्तृत जानकारी आवेदन पत्र हेतु महाविद्यालय के वेबसाईट www.rlamcollege.org अवलोकन करें।

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- 1.सुरक्षा गार्ड 28 वेतन 17000 2.कप्यूटर ऑपरेटर 3 अनुभव 2 वर्ष टेंडर कार्य, ऑनलाइन, जेम, ऑफलाइन वेतन 20000 3. मार्केटिंग ऑफिसर 4.वेतन 40000 अनुभव 3 वर्ष मार्केटिंग कार्य योग्यता MA/ MBA संपर्क करे- Alert sgs private limited कार्यालयः प्रथम तल 06 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर छत्तीसगढ मोबाइलः - 7746000016, 7747000016.(आरो-815)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Urgent Requirement - त्वरित आवश्यकता लोकेशनः उरला, रायपुर (छत्तीसगढ़) Post-40 Salary: 22000 (CTC) 18500 (in hand) PF & ESIC फैसिलिटी-रहने की निःशुल्क व्यवस्था लोकेशनः मॉल (Mall), रायपुर सिटी Salary: 18500 (CTC) 16000 (in hand) PF & ESIC योग्यताः हाइट-5.5" वजन 55kg दसवीं पास पताः मध्य भारत सिक्योरिटी सर्विस, सोनकर बाड़ी के पीछे, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.) मो.- 9244767619, 9244767686, 6267596471. (आरो-247)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ऑपरेटर/गार्ड

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 8357065592 8462933820

ऑपरेटर

जेसीबी ऑपरेटर- सिलतरा प्लांट में जेसीबी मशीन चलाने हेतु आपरेटर की आवश्यकता है योग्यता हैवी लाइसेंस वेतन योग्यतानुसार चंद्राकर ट्रेडर्स, ऊपर वारा नया रायपुर मो. न.- 9340686016, 9685545594. (आरो-245)

थेरेपिस्ट/नर्सिंग

आवश्यकता है- आयुर्वेद क्लिनिक पंचकर्म सेटर स्मृति नगर भिलाई 1.पंचकर्म थेरेपिस्ट - मेल - 2 , सैलरी -8000 2.ANM/GNM /BSC NURSING - फीमेल -2 सैलरी - 8000 तक 3. फील्ड वर्क - मेल - 3, सैलरी - 15000+ 3RS/की. मी. पेट्रोल खर्च सुबह 10 से शाम 07 सोमवार अवकाश संपर्क - 7000836094. (आरो-350)

इंजीनियर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- दुर्ग/राजनादगांव में सड़क निर्माण कार्य हेतु सिविल इंजीनियर बी.ई / डिप्लोमा (युवक/ युवतिया) व सुपरवाईजर की आवश्यकता है । 5 साल कि अनुभवी को प्राथमिकता । 7000343771, 7067560499, 8718035098.(आरो-349)

हरिभूमि क्लासीफाईड

फील्ड स्टाफ/ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु स्टाफ की आवश्यकता है फील्ड स्टॉफ (मेल/फीमेल) / ऑफिस बॉय (जिसके पास दो पहिया वाहन हो), फुल टाइम मैड (फीमेल)। संपर्क- जय अम्बे एग्रो इंडस्ट्रीज, अवंति विहार, 400 मीटर आगे एटीएम चौक से , एस्थेटिक इनस्टिट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन कॉलेज के पास रायपुर। फोन- 8602598092 , 92438 26347. (आरो-356)

ड्रायवर/गार्ड/आया

आवश्यकता है- वेदा इंटरनेशनल स्कूल, सुन्दर नगर, रायपुर शीघ्र आवश्यकता- बस चालक/ मैजिक चालक- 05 पद, सुरक्षागार्ड- 02 पद, महिला परिचालक/आया मदर -5-5 पद, (नोट- अनुभवी को प्राथमिकता) संपर्क करे- मो. नं. 7805015500, 7389358588. (आरो-ghosh)

आवश्यकता है- संतोषी नगर रायपुर ,स्कूल हेतु आवश्यकता है: ड्राइवरः ₹500 प्रति दिन आया बाईः ₹300 और ₹250 प्रति दिन इलेक्ट्रीशियन, फुल टाइम सिक्योरिटी गार्ड आवेदन हेतु तुरंत संपर्क करें या व्हाट्सएप करें:- 9329621221, 9425214413, 7828253335.(आरो-390)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बच्चा सँभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की)चाहिये। रहना एवं ख़ाना दिया जाएगा। स्थान तेलीबांधा , रायपुर सम्पर्क करे: 9575042814. (आरो-108)

ऑपरेटर/सेल्समैन

आवश्यकता है- सत्यम बेकरी दुर्ग भिलाई में कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समेन व एकाउंटेंड की आवश्यकता है। संपर्क करें - 7000198701.(आरो -1605)

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर चाहिए। न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य। वेतन ₹15,000 मासिक। कार्य समयः सुबह 9 से रात 9 बजे। संपर्कः 4/17, दक्षिण गंगोत्री, पोस्ट सुपेला, भिलाई (छ.ग.)। मो.- 9826708233. (आरो-0101)

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राईविंग लाइसेंस एवं आधार कार्ड के साथ मिले रायपुर निवासी को प्राथमिकता संपर्क करें- Dr. शर्मा रायपुर मो. 72408 44677. (आरो-A)

आवश्यकता है- स्कूल वैन, बस एवं कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है। वेतनः अनुभव एवं योग्यता के अनुसार। सी.पी.एस. (CPS), टाटीबंध, रायपुर इच्छुक उम्मीदवार संपर्क करें: 9752148000. (आरो-Delta)

आवश्यकता है- आम्रपाली सुसाइटी रायपुर में घरेलु कार्य हेतु ड्रायवर की आवश्यकता है। आधार कार्ड एंव ड्रायविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करें- 8818928932, 9424225624. (आरो-250)

आवश्यकता है- कार चलने के लिए अनुभव ड्राइवर की आवश्यकता है। कम से कम ५-१० साल का अनुभव होना चाहिए । ड्यूटी टाइम सुबह 8:30 to 7:30 तक स्थान ए 204 मेट्रो हाइट तेलीबांधा , रायपुर सम्पर्क करे:9755777774. (आरो-107)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सेल्समैन, कम्प्यूटर आपरेटर, ड्राईवर, पैकिंग हेतु महिलाओ की, माल छोड़ने लड़कों की, घरेलू कार्य हेतु लड़की /महिला की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्क करें:- गोपी डेयरी धमतरी 9893115061. (आरो-248)

कार्यालय कर्मी

आवश्यकता है- रायपुर शंकर नगर स्थित ऑफिस में – (1) ऑफिस एडमिन (महिला) (2) टेलीकॉलर (महिला) (3) कार चलाने हेतु अनुभवी एवं कुशल ड्राइवर (4) ऑफिस की साफ-सफाई, हाउसकीपिंग व अन्य कार्यों हेतु महिला कर्मचारी (मेड) की आवश्यकता है। इच्छुक उम्मीदवार बायोडाटा सहित संपर्क करें – 9300532000 / 9893132000. (आरो-375)

गार्ड/ऑपरेटर/ड्रायवर

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, बाउन्सर, सुपरवाईजर, गनमैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, घरेलू साफ सफाई हेतु बाई पेमेन्ट- 12000 से 20000 पता- एक्सपर्ट सिक्युरिटी सर्विस, जेजे हॉस्पीटल के पास तोरवा, बिलासपुर 9893041578, 7223821623, 7223026026, 8085233213. (आरो-42298)

ऑपरेटर/मैनेजर

आवश्यकता है- स्नाइडर इलेक्ट्रीक मल्टीनेशनल कम्पनी के चैनल पार्टनर को एकाउंटेंट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्स मैनेजर (Electrical Switchgear product) के लिए आवश्यकता है स्वयं का वाहन। बायोडाटा पर 9303023570 भेजे।(आरो-42280)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्समैप

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी) में काम करने के लिए स्टाफ लड़का / लड़की की आवश्यकता एंव सेल्स मेन की आवश्यकता है. मो.- 7067048454. (आरो-244)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- झूमर दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें- लाईट एन लाईट, जवाहर नगर चौक, एमजी रोड़, रायपुर (आरो-16586)

उद्योग कार्य

आवश्यकता है- (1) एकाउंटेंट- 1पद- (युवती/ महिला) GST, Tally, Excel, सेल पर्चेज, स्टॉक एवं बैंकिंग का अनुभव हो। (2) सुपरवाईजर- 5पद (टोल नाके मे काम करने के इच्छुक लोग भी मिले) (3) मैकेनिकल- 2पद (जो आलराउंडर हो, गाड़ियां क्रेशर मेंन्टेनेन्स अनुभवी हो) (4) ड्राईवर- 4पद Bs6 टाटा हाईवा, 12चक्का चलाने हेतु (हैवी लायसेंस, 5वर्ष अनुभवी,(5) 4पद बस ड्राइवर स्लीपर कोच ऑल इंडिया परमिट अशोक लिलैंण्ड 13.5 मीटर की बसे लम्बी दूरी इन्टर स्टेट चलाने का अनुभवी लायसेंस बैच सहित, (6) 1पद HM लोडर Bs6 आपरेटर (7) एक मुंशी खदान क्रेशर में काम करने का अनुभवी हो। वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा आईडी, आधार कार्ड लायसेंस फोटो सहित सम्पर्क करें- मां शारदा क्रेशर उद्योग मांईन्स, नर्मदा नगर, बिलासपुर 9893900999 ईमेल करें- stbm999@gmail.com (आरो-42299)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

कुक

आवश्यकता है-साउथ इंडियन (केरल) परिवार हेतु घरेलू कार्य एवं स्वादिष्ट खाना बनाने के लिए महिला चाहिए। आयु 30–55 वर्ष। कार्य समयः सुबह 8 से शाम 6 बजे तक। वेतनः ₹10,000 प्रतिमाह। स्थानः गुरुद्वारे के पास, नेहरू नगर, भिलाई। संपर्कः 9826708233. (आरो-0102)

वैवाहिकी वर-वधू चाहिए

पंजीयन क्र. 1582/1969
म.प्र. राजपूत समाज
श्री अ.भा. क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिषद सम्मेलन
रविवार, 13 दिसंबर 2026
महाराणा प्रताप भवन, वार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल-16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि रविवार, 06 दिसंबर 2026
पंजीयन शुल्क 600 रुपए ऑनलाइन एवं 800 रुपए ऑफलाइन

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि ये समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Price per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR Extra Charge For Display
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

10X1 PIX SIZE

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

सोरायसिस रोग (PSORIASIS)
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता तो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
शुरुवाती लक्षण
सोरायसिस रोग एक गंभीर एवं जटिल रोग है, सिर में झिलके खुश्क रूसी, पपड़ी, पूरे शरीर में झिलके खुश्क तंबे कलर के दाग, नाखून का सड़ना, जोड़ों में दर्द, उंगलियों का टेढ़ा होना।



सफेद दाग (VITILIGO)
शुरुवाती लक्षण
- हल्के रंग का छोटा सा धब्बा
- किसी 1 खास जगह से रंग का उड़ना
- त्वचा में सुखापन और खुजली
- बालों का रंग उड़ना
- धूप में त्वचा का लाल होना
- किसी घाव या चोट के बाद सफेद होना

वायरो रिसर्च & स्कीन केयर सेंटर (आयुर्वेद)
सभी जटिल धर्म रोगों का स्थाई चिकित्सा आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है।
स्वरूप टॉकिज मोहन नगर थाना के सामने, बजाज गोल्ड शोरूम के पीछे, दुर्ग (छ.ग.)
डॉ.एच.सी. वी. अग्रवाल (डी.ए.एस.एस.एस.डी.), निशांत अग्रवाल (फार्मेसिस)
0788-4011332 9827199213
9617789223, 9303242200

अंडर-19 एशिया कप : पाकिस्तान को हरा कर भारत 9वीं बार चैंपियन, मनाल-मोहित ने पलटी बाजी

एजेंसी ▶▶| अल अमेरत

एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 1 विकेट से हराया और नौंवी बार खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान से मिले 338 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने मैच की आखिरी गेंद पर 9 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। आर्यवीर सहवाग और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने मिलकर पहले विकेट के लिए 17.4 ओवर में 95 रन जोड़े। आर्यवीर 61 गेंदों का सामना करने के बाद 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके लगाए। वहीं, लक्ष्य 101 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 80 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वीके विनीत अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 24 रन बनाकर आउट हुए।

अर्जुन राजपूत 16 रन ही बना सके, जबकि यशवर्धन चौहान 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ 12 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए। आर्यन सावसानी भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और 9 रन बनाकर आउट हुए। काव्या पटेल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।



मोहित ने लास्ट गेंद पर लगाया विजयी चौका

9वें विकेट के लिए मनाल चौहान और मोहित उल्वा ने 35 गेंदों में 57 रनों की साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा। मनाल पारी के 48वें ओवर में 32 गेंदों में 47 रन बनाने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी इस महत्वपूर्ण पारी में 3 चौके और तीन छक्के लगाए। मनाल के आउट होने के बावजूद, मोहित क्रीज पर खड़े रहे और 26 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाकर लौटे। मोहित ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 3 छक्के लगाए। भारतीय टीम को आखिरी गेंद पर 3 रनों की जरूरत थी, लेकिन मोहित ने शानदार चौका लगाकर टीम को यादगार जीत और खिताब दिलाया।

उस्मान खान ने लगाया शतक

इससे पहले, पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 337 रन बनाए। पाकिस्तान अंडर-19 टीम की शुरुआत बेहतरीन रही। हयाम खान और उस्मान खान ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 8.1 ओवर में 62 रन जोड़े। हयाम 23 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उस्मान ने अब्दुल कादिर के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 135 रन की बड़ी साझेदारी की। अब्दुल कादिर ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों में 80 रन बनाए। उनकी पारी में 3 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। दूसरी ओर, उस्मान खान ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन शतक लगाया। उन्होंने 111 गेंदों पर 107 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। कप्तान फरहान यूसुफ ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया। उन्होंने 60 गेंदों में 63 रन की पारी खेली और 4 चौके तथा 3 छक्के लगाए। भारत की ओर से काव्या पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट लिए। चिगुरुपति वेंकट ने 40 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि अर्जुन राजपूत को 1 विकेट मिला।

खबर संक्षेप



सैफ चैंपियनशिप : भूटान को हराकर फाइनल में भारत

ढाका। गत चैंपियन भारत ने पीवी विष्णु और चिंगलेनसाना सिंह के गोल की बदौलत भूटान को 2-1 से हराकर सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। विष्णु ने आठवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। उन्होंने लंबे पास को नियंत्रित करने के बाद दाएं पैर से लगाए शॉट पर भूटान के गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। भारत ने 27वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। किपगेन की ओर से लिए गए कॉर्नर पर भूटान के खिलाड़ी गेंद को क्लीयर नहीं कर सके और इसका फायदा उठाते हुए चिंगलेनसाना ने नजदीक से शानदार गोल दाग दिया। भूटान ने 48वें मिनट में तोबदेन के गोल से वापसी की। ग्येल्तशेन के बॉक्स के अंदर से लगाए गए शॉट के बाद तोबदेन ने हेडर से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया।

एशियाई कप : भारत ने गुआम को 12-0 से हराया

कुआलालंपुर। भारतीय टीम ने राज सिंह वाहेंगबाम और डल्लालमुआन गंगटे की हैट्रिक की बदौलत एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप मुकाबले में गुआम को 12-0 से करारी शिकस्त दी। यह भारत की टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। ग्रुप ई के इस मुकाबले में वाहेंगबाम ने चार गोल दागे। उन्होंने 55वें, 73वें, 83वें और 84वें मिनट में गोल किए। वहीं, गंगटे ने 13वें, 27वें और 32वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे आज

स्विंग की चुनौती, टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा, दांव पर सीरीज

मैच का समय भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

भारतीय बल्लेबाज रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एकदिवसीय में स्विंग लेती गेंदों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे क्योंकि इस मुकाबले से शृंखला का नतीजा भी तय होगा। भारत को तेज गेंदबाजी की अनुकूल पिचों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भी उसे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सीरीज में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रोहित, अय्यर

पूरे बल्लेबाजी क्रम की नाकामी को देखते हुए किसी एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। हालांकि रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर 5 मैच की इस शृंखला में अब तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। अय्यर का कप्तान के रूप में पदार्पण भी निराशाजनक रहा।

हेनरी की शानदार गेंद पर रोहित चकमा खा गए और स्लिप में कैच दे बैठे जबकि अय्यर तेज गति से अंदर की ओर आई गेंद पर पगबाधा हो गए। केवल एक प्रारुप में खेलने वाले रोहित और विराट कोहली के लिए यह मुकाबला न्यूजीलैंड के संभवतः अपने आखिरी दौरे पर दर्शकों का मनोरंजन करने का अंतिम मौका हो सकता है।



न्यूजीलैंड के सामने करो या मरो का मुकाबला

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के सामने शृंखला बराबर करने के लिए एक और करो या मरो का मुकाबला है। चौथे एकदिवसीय में अर्धशतक जड़कर सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अपने करियर को नई दिशा दी होगी जबकि स्लिप में दो बार कैच छूटने के बाद विल यंग ने शानदार शतक जड़ा। भारतीय तेज गेंदबाजों को शुरुआती 10 ओवर में सलामी बल्लेबाजों को हावी होने से रोकना होगा।

सात वर्षों में अपनी धरती पर सीरीज नहीं हारा न्यूजीलैंड

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले बेट रैंडेल को बे ओवल में खेलने का मौका मिलता है। न्यूजीलैंड ने पिछले सात वर्षों से अपनी धरती पर कोई शृंखला नहीं गंवाई है और ऐसे में वह चोट खाए लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अपना यह रिकॉर्ड बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगाएगा।

जल्दी आउट होना चिंता का विषय : गंभीर

गंभीर ने कहा, 'ये ऐसी परिस्थितियां हैं, जो विश्व कप के दौरान मिलने वाली परिस्थितियों के सबसे करीब होंगी। बड़ी चिंता रन बनाने की नहीं है बल्कि यह है कि हम कितनी जल्दी आउट हो गए। हम 26 या 27 ओवर में ही सिमट गए। यह हमेशा चिंता का विषय होता है।'



गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर : अय्यर

कप्तान अय्यर ने कहा कि दूसरी पारी में परिस्थितियां गेंदबाजों के काफी अनुकूल हो गई थीं लेकिन दोनों टीम के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर था। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर 9 रन कर दिया था जबकि भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती पावरप्ले में कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। गुरनूर बरार और आकिब नबी ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन रन भी लुटाए। शृंखला का अपना पहला मुकाबला खेलने उतरे कुलदीप यादव के खिलाफ विल यंग ने जमकर रन बनाए। टेस्ट टीम से रिलीज किए गए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप न्यूजीलैंड दौरे का समापन यादगार प्रदर्शन के साथ करना चाहेंगे।

टेस्ट टीम से कुलदीप रिलीज, बरार को मौका

वेलिंगटन। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए शनिवार को भारतीय टीम में शामिल किया गया जबकि स्पिनर कुलदीप यादव को रिलीज (टीम से हटा लेना) कर दिया गया क्योंकि इस शृंखला में तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिचें मिलने की उम्मीद है। बीसीसीआई ने कहा, 'पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए भारतीय टीम में गुरनूर बरार को शामिल किया है।'

वैभव ने बनाया नया कीर्तिमान

15 साल की उम्र में कप्तानी का ताज



एजेंसी ▶▶| इंदौर

किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कप्तानी करते हुए पुरुष टी20 क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया।

सूर्यवंशी ने 15 साल और 232 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने क्रोएशिया के जैक वुकुसिक का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। बिहार की टीम ने घरेलू टी20 प्रतियोगिता के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए युवा खिलाड़ी को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि इस मुकाबले में सूर्यवंशी बल्ले से खास योगदान नहीं दे सके। उन्होंने 12 गेंद में 18 रन बनाए और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे।

दलीप ट्रॉफी में संभाली थी पूर्वी क्षेत्र की उपकप्तानी

होलकर स्टेडियम में टॉस जीतकर बिहार ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। यह नियुक्ति इस युवा खिलाड़ी के तेजी से बढ़ते करियर में एक और उपलब्धि है। उन्होंने महज 5 महीने पहले भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। उन्हें 2026-27 दलीप ट्रॉफी के लिए इशान किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान भी नियुक्त किया गया था। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के टी20 दौरे पर था, जहां उन्होंने दो मैच खेले और 49 रन बनाए। इस शृंखला में उनका 19 गेंद में 45 रन का योगदान खास रहा था।

कुमामोतो मास्टर्स : लक्ष्य ने लगातार दूसरी बार फाइनल में बनाई जगह



एजेंसी ▶▶| कुमामोतो

लक्ष्य सेन ने कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को तीन गेम में हराकर लगातार दूसरे पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने छठे वरीय फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य की हांगझोउ में होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं। आठवें वरीय लक्ष्य फिलहाल बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग में 64,980 अंकों के साथ 12वें स्थान पर हैं। सत्र के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने के लिए उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी। फाइनल में उनका सामना जापान के कोकी वातानाबे और दूसरे वरीय थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : मुंबई ने हैदराबाद को दी करारी शिकस्त, सूर्यकुमार ने ठोके 21 गेंद में 60 रन

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

सूर्यकुमार यादव की 21 गेंद में खेली गई नाबाद 60 रन की तूफानी पारी की बदौलत मुंबई ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। मुंबई ने केवल 13.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 172 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। सूर्यकुमार ने अपनी विस्फोटक पारी में छह चौके और पांच छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 285.71 का रहा। उन्होंने महज



15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर जाधवपुर विश्वविद्यालय परिसर मैदान पर मुंबई के दबदबे का नमूना पेश किया।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 5730348वी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
HMS देखकर खरीदें
घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कूलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्फुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुजनता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130



अमेरिकी परिवार में एक ही तारीख पर हुआ पांचवीं पीढ़ी का जन्म, बना विश्व रिकॉर्ड

न्यूयार्क। किसी परिवार में एक ही दिन 2 लोगों का जन्मदिन होना संजोग हो सकता है। हालांकि, अगर ऐसा बार-बार हो तो यह किसी अजूबे से कम नहीं कहलाएगा। ऐसा ही कुछ अमेरिका के हार्लो परिवार में हुआ है, जहां उनकी पांचवी पीढ़ी का जन्म एक ही तारीख पर हुआ है। 14 सितंबर, 2025 को आर्थर बेल का जन्म हुआ तो उनके माता-पिता खुशी से फूले नहीं समाए। आइए जानते हैं इसी तारीख पर उनके परिवार में किस-किस का जन्मदिन पड़ा।

1907 से 2025 तक जन्मीं 5 पीढ़ियां

इस परिवार में 1997 में 14 सितंबर को ही आर्थर की मां एमा का जन्म हुआ था और इसी तारीख को 1972 में उनके नाना डोनाल्ड पैदा हुए थे। आर्थर की परनानी एडी भी 14 सितंबर, 1949 को पैदा हुई थीं। एडी के दादा विल्बर इसी तारीख को 1907 में जन्मे, जिससे यह परंपरा शुरू हुई। 14 सितंबर, 2025 को आर्थर बेल का जन्म हुआ। अब आर्थर के जन्म के बाद, इस परिवार को इतिहास में एक ही दिन पैदा हुई सबसे ज्यादा पीढ़ियों के लिए गिनीज विश्व रिकॉर्ड दिया गया है।



हम इस रिकॉर्ड के अकेले धारक हैं : एमा

आर्थर की मां एमा ने बताया, हमें एक तरह से हमेशा से पता था कि हमारे पास 4 पीढ़ियों का रिकॉर्ड है। बस हमने कभी इसके लिए आवेदन नहीं किया, क्योंकि हमारी चाहत थी कि 14 सितंबर को पांचवीं पीढ़ी भी इसमें शामिल हो जाए। हमने आवेदन किया, देर से ही सही, पर किया तो। अब हम इस रिकॉर्ड के अकेले धारक हैं, न कि इसे किसी और के साथ साझा करने वाले।

कैसे हुआ यह संजोग?

एमा ने बताया कि उन्हें इस संजोग के अनोखेपन का एहसास तब भी था, जब उनकी 4 पीढ़ियां लगातार 14 सितंबर को पैदा हुई थीं।हालांकि, जब उन्हें पता चला कि उनके बेटे के जन्म की संभावित तारीख भी उसी खास दिन पड़ सकती है तो उन्होंने आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए गिनीज बुक से संपर्क किया। इस परिवार में एक पीढ़ी लड़का तो अगली पीढ़ी लड़की पैदा हुई और यह क्रम आर्थर तक जारी रहा।

परिवार वाले आर्थर को मानते हैं 'चमत्कारी'

आर्थर के नाना डोनाल्ड ने कहा, ईश्वर बहुत सुंदर ढंग से काम करते हैं। एमा ने आगे कहा, यह एक अजीब संयोग जैसा लगा और उससे भी बड़ी बात यह कि इससे 'लड़का-लड़की-लड़का-लड़की-लड़का' वाला क्रम भी बना रहा। उनका परिवार इस संजोग को भगवान का एक अजूबा मानता है और आर्थर को 'चमत्कारी लड़का' कहते हैं। परिवार इस उपलब्धि से बेहद खुश है और इसका जश्न भी मना रहा है।

'स्टार वार्स' में इस्तेमाल हुआ डार्थ वेडर का 'लाइटसेबर' हुआ 45 करोड़ में नीलाम



न्यूयार्क। स्टार वार्स एक अमेरिकी फिल्म फ्रेंचाइज है, जो दुनियाभर में मशहूर है। इसकी 2 मशहूर फिल्मों में डार्थ वेडर ने जिस लाइटसेबर का इस्तेमाल किया था, उसकी नीलामी ने लोगों को हैरान कर दिया है। यह लगभग 45 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ है। यह स्टार वार्स की सबसे महंगी बिकने वाली कलेक्टिबल वस्तु बन गई है। आइए इसकी नीलामी के बारे में विस्तार से जानते हैं और इसकी खासियत पर चर्चा करते हैं।

इस बिक्री ने तोड़ा पिछला रिकॉर्ड : नीलामीघर ने अपने बिक्री कैटलॉग में कहा कि वह इस बात की पुष्टि नहीं कर पाए कि क्या इस लाइटसेबर का इस्तेमाल 1977 की मूल फिल्म 'अ न्यू होप' में भी किया गया था या नहीं। हालांकि, ऐसा संभव हो सकता है। इससे पहले जुलाई महीने में हेरिटेज ऑक्शन्स ने इस फ्रेंचाइज का एक अन्य लाइटसेबर नीलाम किया था, जो 35 करोड़ रुपये में बिका था। अब इसका रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया लाइटसेबर सबसे महंगा बिका है।

खास तरह से बनाई गई थी यह लाइटसेबर

नीलामीघर के मुताबिक, डार्थ वेडर के लाइटसेबर पर ऐसे नुकसान के निशान थे, जो लड़ाई में इस्तेमाल होने वाले प्रॉप से मेल खाते हैं। इनमें खरोंचें, एक दरार, ऊपरी भाग का एक गायब हिस्सा और कुछ हद तक टूटा हुआ हैंडल शामिल है। इस लाइटसेबर को 1950 के दशक के ब्रिटिश 'माइक्रो प्रिसिजन प्रोडक्ट्स' वाले कैमरा फ्लैश अटैचमेंट से बनाया गया था। इसकी प्रेरणा 'राजा आर्थर' की कहानियों से ली गई थी।

रंगों की पहचान कर लेता है यह होनहार तोता

नई दिल्ली। तोते सबसे होनहार पक्षी माने जाते हैं, जो इंसानों की तरह बोलना सीख लेते हैं। अगर उन्हें सही प्रशिक्षण दिया जाए तो वे अन्य कारनामे करने में भी सक्षम हो जाते हैं। इस बात को चीन के एक व्यक्ति के पालतू तोते ने सच साबित करके दिखाया है। इस चतुर तोते का नाम 'जियाओगुई' है, जो रंगों की पहचान कर लेता है। इसी हुनर के जरिए उसने विश्व रिकॉर्ड कायम करके गिनीज बुक में अपना नाम शुमार कर लिया है। इस तोते के मालिक का नाम किन फेंग है, जिन्होंने जियाओगुई को इतना होनहार बनाया है। इस बुद्धिमान पक्षी ने 'तोते द्वारा सबसे जल्दी 10 रंगों की पहचान' करने का विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। उसने यह कारनामा महज 33.50 सेकंड में कर दिखाया, जो वाकई कबीले तारीफ है। यह रिकॉर्ड प्रयास नवंबर 2024 में चीन के हेनान में किया गया था। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा 14 अगस्त 2025 को की गई है।



'हीरों की मोनालिसा' कहलाने वाला गुलाबी हीरा 124 करोड़ में बिका, क्या है भारत से संबंध?

जिनेवा। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में एक गुलाबी रंग वाला हीरा बिका है, जिसे 'हीरों की मोनालिसा' नाम से जाना जाता है। इस हीरे का नाम 'बुल्गारी पिंक' है और यह नीलामी के दौरान 124 करोड़ रुपये में बिका है। सबसे खास बात यह है कि यह भारत से ताल्लुक रखता है और बिक्री के बाद से काफी चर्चा में आ गया है। इस हीरे ने कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए हैं। आइए जानते हैं कि इसका भारत से क्या संबंध है।



भारत से खरीदा गया था यह नायाब हीरा : यह बेशकीमती हीरा लगभग 70 साल से एक परिवार के पास था, जिन्होंने 10 नवंबर को इसे नीलाम करवाया। इसे 1950 के दशक में भारत की मशहूर गोलकुंडा खदानों से खरीदा गया था, जिनमें से कोहिनूर जैसे कई विश्व प्रसिद्ध हीरे निकले थे। इसे विक्रेता के परदादा-परदादी ने 1950 के दशक में खरीदा था और बाद में इसे रोम में बुलगारी ले जाकर अंगूठी में जड़वाया गया था। इसकी नीलामी क्रिस्टीज नाम के नीलामीघर ने करवाई है।

24 कैरेट का है यह दुर्लभ हीरा: नीलामीघर को उम्मीद थी कि यह हीरा 100 से 151 करोड़ रुपये के बीच बिक सकता है। हालांकि, बेचने वाले परिवार के साथ-साथ सभी के होश उड़ गए, जब इसकी कीमत 124 करोड़ रुपये लगी। 24 कैरेट का यह हीरा न केवल अपने आकार, बल्कि अपने जीवंत रंग के लिए भी नायाब माना जा रहा है। इसके विशाल आकार का इसके गुलाबी रंग पर कोई असर नहीं नजर आया है, जो आम तौर पर देखने को मिलता ही है।

क्या है हीरे की खासियत?

यह हीरा 'टाइप-IIa' श्रेणी का है, जो बेहद दुर्लभ है। इसमें नाइट्रोजन या बोरॉन जैसी अशुद्धियां नहीं पाई गई हैं। इसे 'फैंसी इंटेंस पिंक' के रूप में भी वर्गीकृत किया गया है, जो कि रंगों की एक बहुत ही मांग वाली श्रेणी है। जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका में रिसर्च और पहचान विभाग के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट डॉ वुयी वांग ने कहा, गुलाबी हीरे दुर्लभ होते हैं, लेकिन रत्नों के बीच इस आकार और गुणवत्ता वाला हीरा बहुत ही दुर्लभ है।

शिमला में नोटों से भरा पैकेट लेकर भागे बंदर ने पेड़ से कर दी रुपयों की बारिश

नई दिल्ली। बंदर मस्तीखोर जानवर होते हैं, जो अक्सर लोगों की चीजें छीनकर भाग जाते हैं। शिमला में एक व्यक्ति के साथ ऐसा ही हुआ। दरअसल, उपायुक्त कार्यालय परिसर में एक बंदर ने एक व्यक्ति की जेब से 81,800 रुपये वाला पैकेट छीन लिया और उसे लेकर पेड़ पर चढ़ गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। बंदर ने पेड़ से पैसों की बारिश भी की। व्यक्ति जेब में पैसों से भरा पैकेट लेकर उन्हें बैंक में जमा करवाने जा रहा था। तभी अचानक बंदर उस पर लपका और पैसे लेकर उड़न-छू हो गया। पेड़ पर बैठा बंदर पैकेट से एक-एक कर नोट निकालकर जमीन पर फेंकने लगा। कुछ ही मिनटों में, पेड़ के नीचे हजारों रुपये बिखर गए। वहां मौजूद लोग तुरंत पैसे बटोरने के लिए दौड़े। हालांकि, लोगों ने लालच करने के बजाय पैसे जमा करके व्यक्ति को वापस लौटाए। कार्यालय परिसर में मौजूद लोगों ने तुरंत जमीन पर बिखरे नोट एकत्रित किए। काफी मशक्कत के बाद, ज्यादातर पैसे वापस मिल गए और व्यक्ति को सौंप दिए गए। हालांकि, व्यक्ति ने बताया कि उन्हें अभी भी लगभग 1,500 रुपये का हिसाब नहीं मिल पा रहा है। बंदर ने अपनी शरारत में कुछ नोट फाड़ भी दिए थे, जिससे और नुकसान हुआ। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मई, 2026 को ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से सामने आया। यह घटना तब हुई जब एक व्यक्ति संपत्ति पंजीकरण का काम पूरा करने के लिए अदालत पहुंचा था। उनका 2 लाख रुपये से भरा बैग रवींद्र लोधी नामक व्यक्ति के पास था, जिसे एक बंदर ने छीन लिया और नीम के पेड़ पर चढ़ गया। उसने खाना ढूंढने के चक्कर में पैसे फेंकने शुरू किए।







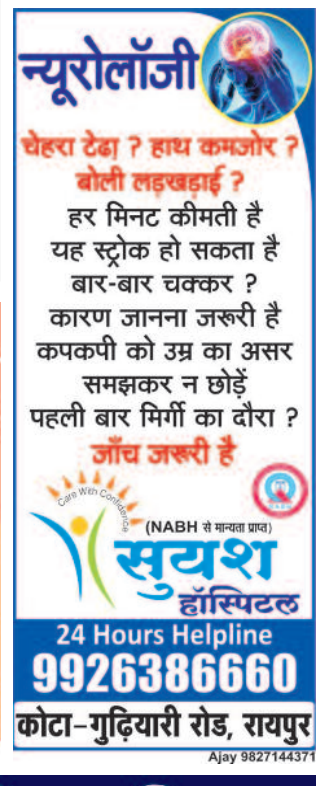





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com